दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-136 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'दूसरों को गिराकर ऊँचा उठने की कोशिश अस्थायी होती है, लेकिन खुद को निखारकर आगे बढ़ना ही सच्ची सफलता की पहचान है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'कांटे नहीं, फूल बोइए: मानवता का असली मार्ग'

मनुष्य का जीवन केवल अपने लिए जीने का नाम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जिसमें हम दूसरों के जीवन को भी सुंदर बना सकते हैं। आज के प्रतिस्पर्धी और तनावपूर्ण युग में जहां लोग अपनी सफलता के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं, वहां यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या वास्तव में किसी के जीवन में कांटे बोकर हम अपने लिए खुशियों के फूलों की कल्पना कर सकते हैं? इसका उत्तर स्पष्ट है–नहीं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। सच्ची खुशी और स्थायी सफलता का मार्ग दूसरों की भलाई से होकर गुजरता है। यदि हम अपने जीवन में सुख, शांति और संतोष चाहते हैं, तो हमें दूसरों के जीवन में भी वही भावनाएं उत्पन्न करनी होंगी। यह प्रकृति का अटल नियम है कि जैसा हम बोते हैं, वैसा ही काटते हैं। यदि हम दूसरों के लिए द्वेष, ईर्ष्या और नफरत के बीज बोएंगे, तो बदले में हमें भी वही मिलेगा। इसके विपरीत, यदि हम प्रेम, सहयोग और सहानुभूति के बीज बोते हैं, तो जीवन में खुशियों के फूल अवश्य खिलेंगे।

आज समाज में बढ़ती कटुता, आपसी वैमनस्य और सोशल मीडिया पर फैलती नकारात्मकता इस बात का प्रमाण है कि लोग अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं। छोटी-छोटी बातों पर विवाद, अपशब्दों का प्रयोग और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति हमारे सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम आत्ममंथन करें और यह समझें कि हमारे शब्द और कर्म किसी के जीवन को कैसे प्रभावित कर रहे हैं। मन की पवित्रता ही वह आधार है, जिस पर सच्चे सुख और शांति का निर्माण होता है। यदि हमारे विचार शुद्ध हैं, तो हमारे कार्य भी सकारात्मक होंगे। यह भी एक सच्चाई है कि कभी-कभी परिस्थितियों के कारण अच्छे लोग भी गलत निर्णय ले लेते हैं, लेकिन यदि उनके मन में पवित्रता और पश्चाताप की भावना है, तो वे अपने कार्यों को सुधार सकते हैं। इसके विपरीत, यदि मन में दुर्भावना है, तो वह न केवल दूसरों को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि स्वयं के जीवन को भी अंधकारमय बना देती है।

मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ और मूल्यवान है। इसे आपसी झगड़ों, विवादों और द्वेष में नष्ट करना न केवल व्यक्तिगत हानि है, बल्कि समाज के लिए भी घातक है। आज कोर्ट-कचहरी के बढ़ते मामलों, परिवारों में बढ़ती दूरियों और रिश्तों में आती कड़वाहट का मुख्य कारण यही है कि लोग एक-दूसरे को समझने की बजाय आरोप-प्रत्यारोप में अधिक विश्वास करने लगे हैं। यदि हम किसी के साथ गलत व्यवहार करने से पहले स्वयं को उसकी स्थिति में रखकर सोचें, तो शायद हम कई गलतियों से बच सकते हैं।

समाज में प्रेम और एकता का वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम अपने व्यवहार में सकारात्मकता लाएं। परिवार से लेकर समाज तक, हर स्तर पर हमें सहयोग और सम्मान की भावना को बढ़ावा देना होगा। बच्चों को भी यही संस्कार देना जरूरी है कि वे प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहानुभूति और सहयोग का महत्व समझें। केवल अंक, पद और प्रतिष्ठा ही जीवन का उद्देश्य नहीं हैं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना सबसे बड़ी उपलब्धि है। आज के दौर में यह भी देखने को मिलता है कि लोग दूसरों की असफलता में खुशी महसूस करते हैं और उनकी सफलता से जलते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्ति को अंदर से कमजोर बनाती है, बल्कि समाज में भी नकारात्मकता फैलाती है। इसके स्थान पर यदि हम दूसरों की सफलता से प्रेरणा लें और उनकी असफलता में उनका साथ दें, तो समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। अंततः, यह कहना उचित होगा कि जीवन में सच्ची खुशी पाने के लिए हमें अपने दृष्टिकोण को बदलना होगा। हमें यह समझना होगा कि दूसरों को दुख देकर हम कभी सुखी नहीं रह सकते। यदि हम चाहते हैं कि हमारे जीवन में खुशियों के फूल खिलें, तो हमें दूसरों के जीवन में भी खुशियों के बीज बोने होंगे। प्रेम, करुणा और सहयोग ही वह साधन हैं, जिनसे हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।

इसलिए आइए, हम यह संकल्प लें कि हम अपने शब्दों और कर्मों से किसी के जीवन में कांटे नहीं, बल्कि फूल बोएंगे। यही मानवता का सच्चा मार्ग है और यही हमारे जीवन की सबसे बड़ी सफलता भी।

झुंझुनूं का लाल बना आईपीएल का हीरो

ईडन गार्डन्स में चौधरी का तूफान, 27 गेंदों में 54 रन ठोक लखनऊ को दिलाई रोमांचक जीत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं/कोलकाता।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुरुवार का मुकाबला झुंझुनू जिले के लिए गर्व का ऐतिहासिक पल बन गया। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी (गुढ़ा बावनी) इलाके के रहने वाले युवा क्रिकेटर मुकुल चौधरी ने ईडन गार्डन्स में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा जलवा बिखेरा कि पूरा देश उनका कायल हो गया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 3 विकेट से हराया और इस जीत के सबसे बड़े नायक बने मुकुल चौधरी।

मुकाबले की शुरुआतः मजबूत ओपनिंग, फिर झटका

182 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ टीम की शुरुआत अच्छी रही। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम ने पहले विकेट के लिए 4.1 ओवर में 41 रन जोड़े। मार्श 15 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मार्करम 22 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद कोलकाता के गेंदबाज वैभव अरोड़ा ने लगातार तीन गेंदों में दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर मैच का रुख बदल दिया। लखनऊ की टीम अचानक दबाव में आ गई और विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया।

संकट में उतरे मुकुल, पलट दी बाजी

टीम जब मुश्किल में थी, तब मुकुल चौधरी क्रीज पर आए। शुरुआत में उन्होंने संभलकर खेला, लेकिन जल्द ही आक्रामक अंदाज अपनाते हुए विरोधी गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास और आक्रामकता साफ नजर आई। उन्होंने हर मौके का फायदा उठाया और टीम को धीरे-धीरे जीत की ओर ले गए

दबाव नहीं, मौका मानते हैं मुकुल

मुकुल का मानना है कि दबाव ही असली खिलाड़ी की परीक्षा होता है कि मैदान पर दबाव होता है, लेकिन मैं इसे मौका मानता हूं। मेरा लक्ष्य था अंत तक टिके रहना और टीम को जीत दिलाना।'

27 गेंदों में 54 रनः छक्कों की बारिश से जीता मैच

मुकुल चौधरी ने मात्र 27 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए। उनकी इस पारी में 7 शानदार छक्के और 2 चौके शामिल रहे। उनके हर शॉट के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया और मुकाबला पूरी तरह लखनऊ के पक्ष में झुक गया। आखिरकार लखनऊ सुपर जायंट्स ने यह रोमांचक मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया और मुकुल चौधरी जीत के हीरो बनकर उभरे।

छक्कों से है खास रिश्ता

मुकुल ने अपनी बल्लेबाजी शैली पर कहा कि मुझे छक्के लगाना पसंद है। पिछले दो मैचों में मैं एक भी छक्का नहीं लगा पाया था, इसलिए आज पहला छक्का लगते ही बहुत सुकून मिला।'

2.60 करोड़ में खरीदे गए, अब बने टीम के मैच विनर

आईपीएल 2026 की नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुकुल चौधरी को 2.60 करोड़ रुपये की बड़ी कीमत में अपनी टीम में शामिल किया था। टीम ने उन पर जो भरोसा जताया, मुकुल ने उसे पूरी तरह सही साबित किया। इस मुकाबले में उनकी पारी ने दिखा दिया कि वह बड़े मंच के खिलाड़ी हैं और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।

सिक्किम से दिल्ली तक संघर्ष का सफर

मुकुल ने बताया कि उनके क्रिकेट सफर में कई मुश्किलें आईं और सिक्किम में सुविधाएं नहीं थीं, इसलिए मुझे दिल्ली और गुरुग्राम जाकर खेलना पड़ा। वहीं मुझे पहचान मिली और मेरे खेल में सुधार हुआ। उन्होंने अपने अंडर-19 दिनों को याद करते हुए कहा कि यूपी के खिलाफ मेरा दूसरा ही मैच था, लेकिन मैंने अच्छी पारी खेली। तभी लोगों को भरोसा हो गया था कि मैं आगे कुछ बड़ा कर सकता हूं।'

झुंझुनू से निकलकर देशभर में चमका सितारा

राजस्थान के छोटे से इलाके गुढ़ागौड़जी (गुढ़ा बावनी) से निकलकर आईपीएल के बड़े मंच तक पहुंचने वाले मुकुल चौधरी आज लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं। यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि सपनों की उड़ान है। झुंझुनू का यह युवा खिलाड़ी अब देशभर में अपनी पहचान बना चुका है। अगर उनका यही प्रदर्शन जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब मुकुल चौधरी भारतीय क्रिकेट का बड़ा नाम बनेंगे।

सोशल मीडिया पर छाए 'झुंझुनू के सुपरस्टार'

मुकुल चौधरी की इस विस्फोटक पारी के बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर चर्चा हो रही है। झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है। गांव से लेकर शहर तक लोग अपने इस लाल की सफलता का जश्न मना रहे हैं।

'मेरे पिता का सपना था...' - भावुक कर देने वाली कहानी

मैच जीतने के बाद मुकुल चौधरी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि मेरी क्रिकेट यात्रा तब शुरू हुई जब मेरे पिता की शादी भी नहीं हुई थी। उनका सपना था कि उनका बेटा देश के लिए क्रिकेट खेले। मैं आज उसी सपने को पूरा करने की कोशिश कर रहा हूं।

ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई चढ़ी हंगामे की भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

आम जन की समस्याओं को मौके पर ही सुनवाई कर निस्तारण करने के लिए राज्य सरकार की ओर से आयोजित की जाने वाली ब्लांक स्तरीय जनसुनवाई यहां पंचायत समिति सभागार में गुरुवार शुरू हुई जो हंगामे की भेंट चढ़ गई। हंगामा तब हुआ जब भाजपा से पंचायत समिति के प्रधान का चुनाव लड़ चुके भागीरथ गोदारा व विधायक गोविंद सिंह डोटासरा में किसी मुद्दे को लेकर बहस हो गई। जनसुनवाई में उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, तहसीलदार फारूक अली? सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि आदि मौजूद थे।

पीसीसी चीफ और स्थानीय विधायक गोविंद सिंह डोटासरा गुरुवार को आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं।कुछ शिकायतों पर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। जनसुनवाई की शुरुआत में ही माहौल उस समय गरमा गया जब पंचायत समिति के प्रधान का चुनाव लड़ चुके भागीरथ गोदारा ने अपने गांव व आस पास के गांवों से जुड़ी समस्या उठाई। जिसका जबाब विधायक डोटासरा ने देना चाहा लेकिन ईसी बीच गोदारा ने विधायक की बात को काटकर जबाब अधिकारी देंगे की बात पर बवाल मच गया ओर दोनों में बहस छिड़ गई। बाद में मौजूद लोगों और अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हो गई। जनसुनवाई के दौरान गैस सिलेंडर वितरण में हो रही अव्यवस्थाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। इस पर डोटासरा ने गैस एजेंसी संचालकों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। थानाधिकारी ने भी जनसुनवाई के दौरान नेशनल हाईवे पर बढ़ते सड़क हादसों की बात की। जनसुनवाई के दौरान डोटासरा ने सीकर कलेक्टर से फोन पर बातचीत की उन्होंने सड़क हादसों की आशंका वाले स्थानों को तुरंत दुरुस्त करने, नहरी पानी की मात्रा बढ़ाने और निर्माणाधीन ट्रॉमा सेंटर में रिक्त पद भरने की बात कलक्टर से कहीं। साथ ही जनसुनवाई में वार्ड-38 की महिलाएं बड़ी संख्या में अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। उन्होंने क्षेत्र में ट्यूबवेल बंद होने की शिकायत की। इस पर जलदाय विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नहर बंदी के कारण ट्यूबवेल को टंकियों से जोड़ा गया है। इस पर डोटासरा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वार्ड-38 को उसका ट्यूबवेल वापस जोड दिया जाए।

तबेला स्कूल में पोषण पखवाड़ा 2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। तबेला कस्बे के उच्च प्राथमिक विद्यालय में पोषण पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सीडीपीओ सुधीर के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें बच्चों के बेहतर मानसिक विकास और पोषण के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला पर्यवेक्षक संतोष यादव सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजबाला, मनीषा, रेखा और प्रियंका ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बच्चों और अभिभावकों को संतुलित आहार, मातृ एवं शिशु पोषण तथा खेल-आधारित शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर बताया गया कि पोषण पखवाड़ा के तहत बच्चों के शुरुआती मानसिक विकास को गति देने, स्क्रीन टाइम कम करने और आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं और सभी ने मिलकर पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।

चिड़ावा के जीवनी स्कूल की छात्रा वीरा चौधरी सैनिक स्कूल में चयनित, सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा शहर के खेतड़ी रोड पर स्थित जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में झुंझुनू जिले की सूरजगढ़ तहसील के गांव ब्राह्मणों की ढाणी की लाडली वीरा चौधरी पुत्रि रजनीश महला का सैनिक स्कूल में चयन हुआ है। जीवनी सैनिक मिलिट्री विंग के इंचार्ज राहुल कुमार शर्मा ने बताया कि वीरा चौधरी का सैनिक स्कूल कक्षा 6 में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयन हुआ है। वीरा चौधरी होनहार अनुशासित छात्र हैं आगे बढ़कर सैन्य अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहती हैं। वीरा ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों व परिवार को दिया। जीवनी ग्रुप ऑफ़ एजूकेशन के चेयरपर्सन सांवरमल मिल अनेक छात्र को बधाई देते हुए साफा माला पहनकर पुरस्कृत किया, साथ ही अभिभावक गण का भी सम्मान किया गया। सचिन भगवती मिल व निदेशक रितेश मिल ने भी छात्र को सम्मानित कर जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया?। सम्मान समारोह में जीवनी स्कूल के उप प्रधानाचार्य दीपा शर्मा व शैक्षणिक कार्यवाहक सुनील वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में सैनिक मिलिट्री वन नवोदय की विशेष तैयारी हेतु जीवनी केयर अकेडमी में कक्षाएं संचालित है। यहां अनुभवी टीम द्वारा अध्ययन व कोर्स द्वारा बच्चों को शारीरिक गतिविधियां करवाई जाती हैं छात्र-छात्राओं हेतु उत्तम छात्रावास की व्यवस्था भी है।

बहुमुखी प्रतिभा की धनी वंशिका के हुनर के कायल हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं दिग्गज नेता

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजधानी के होटल मेरियट में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान अद्भुत प्रतिभा की धनी वंशिका आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कृषि मंत्री एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वंशिका के साथ करीब 15 से 20 मिनट तक विस्तृत चर्चा की। उन्होंने वंशिका द्वारा बनाए गए विश्व रिकॉर्ड्स की जानकारी ली और उनके द्वारा लिखित पुस्तक का बारीकी से अवलोकन किया। चौहान ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह आने वाले समय में बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। वंशिका की विलक्षण प्रतिभा को देखते हुए, केंद्रीय मंत्री ने उन्हें अपने सामने दोनों हाथों से अलग-अलग अंकों की टेबल (पहाड़े) लिखने की चुनौती दी। वंशिका ने उनके द्वारा दिए गए तीन अलग-अलग कठिन अंकों की टेबल को एक साथ लिखकर दिखाया, जिसे देख चौहान दंग रह गए और उन्होंने इस हुनर की जमकर प्रशंसा की। इसी क्रम में, वहीं विधायक निवास के कॉन्फ्रेंस हॉल में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा से वंशिका की शिष्टाचार भेंट हुई। विधायक शर्मा ने भी वंशिका की पुस्तक को देखा और इसे बच्चों के मन से 'गणित के भय' को दूर करने वाली एक प्रभावी मार्गदर्शिका बताया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों की मानसिक क्षमता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी।

सोशल मीडिया पर छाई वंशिका

वंशिका की इस उपलब्धि और मुलाकात की तस्वीरें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विधायक गोपाल शर्मा ने अपने-अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की हैं।दिग्गजों द्वारा मिली इस सराहना से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और वंशिका की इस अद्वितीय क्षमता को भविष्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

सेल्फ केयर के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है पोषण

40 के बाद इन पोषक तत्वों का न करें इग्नोर

यहां कुछ आवश्यक पोषक तत्व दिए गए हैं जिन्हें 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को अपने आहार में शामिल करने पर विचार करना चाहिए 40 के बाद महिलाओं के जीवन में बहुत से बदलाव आते है। इस समय जीवन के साथ-साथ शरीर भी कई बदलावों से गुजरती है। हॉर्मोन में बदलाव, वजन बढ़ना, प्रामेनोपॉज का समय ये सभी बदलाव शरीर में होते है लेकिन इनका प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इस समय जब इतने बदलाव शरीर में चल रहे होते है तो एक स्वस्थ दिनचर्या और व्यायाम करने के साथ इन बदलावों के लक्षणों को कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

यहां कुछ आवश्यक पोषक तत्व दिए गए हैं जिन्हें 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को अपने आहार में शामिल करने पर विचार करना चाहिए 40 के बाद महिलाओं के जीवन में बहुत से बदलाव आते है। इस समय जीवन के साथ-साथ शरीर भी कई बदलावों से गुजरती है। हॉर्मोन में बदलाव, वजन बढ़ना, प्रामेनोपॉज का समय ये सभी बदलाव शरीर में होते है लेकिन इनका प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इस समय जब इतने बदलाव शरीर में चल रहे होते है तो एक स्वस्थ दिनचर्या और व्यायाम करने के साथ इन बदलावों के लक्षणों को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। कुछ ऐसे पोषक तत्व भी है जिन्हे लेने महिलाओं के के लिए 40 के बाद बहुत जरूरी है। बहुत सी महिलाएं होती है जिन्हे ये पता नहीं होता है कि उन्हे 40 के बाद कौन से पोषक तत्व लेने चाहिए या कैसा खाना खाना चाहिए। तो आज हम आपकी टेंशन को दूर करने के लिए लेकर आएं है कुछ ऐसे पोषक तत्व जो आपको 40 के बाद लेने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।इसके बारे में ज्यादा जानकारी के लिए हमने बात की डायटिशियन शिखा कुमारी से, शिखा कुमारी एक सर्टिफाइड डायटिशियन और वेट लॉस एक्सपर्ट है।

40 के लिए जाने वाले पोषक तत्व-जैसे-जैसे महिलाओं की उम्र बढ़ती है, उनकी पोषक तत्वों की जरूरतें बदल जाती हैं। यहां कुछ आवश्यक पोषक तत्व दिए गए हैं जिन्हें 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को अपने आहार में शामिल करने पर विचार करना चाहिएग्गा-3 फैटी एसिड पूरे शरीर में रक्त के प्रवाह को बढ़ा सकता है और दर्द से निपटने में मदद कर सकता है।

1 **कैल्शियम**-40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पर्याप्त कैल्शियम प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। कैल्शियम के अच्छे स्त्रोतों में डेयरी उत्पाद, पत्तेदार हरी सब्जियां और गरिष्ठ खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

2 **विटामिन डी**-विटामिन डी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। 40 से अधिक महिलाओं को केवल सूर्य के प्रकाश से पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल सकता है, इसलिए विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, जैसे वसायुक्त मछली और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ, या विटामिन डी सप्लीमेंट लें।

3 **मैग्नीशियम**-मैग्नीशियम हड्डी के स्वास्थ्य के साथ-साथ मांसपेशियों और तंत्रिका कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है। मैग्नीशियम के अच्छे स्त्रोतों में मेवे, बीज, साबुत अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियाँ शामिल हैं।

4 **ओमेगा-3 फैटी एसिड**-ओमेगा-3 फैटी एसिड हृदय स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य और सूजन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ओमेगा -3 के अच्छे स्त्रोतों में वसायुक्त मछली, अलसी, चिया के बीज और अखरोट शामिल हैं।

5 **फाइबर**-महिलाओं की उम्र बढ़ने के साथ उनका पाचन धीमा हो सकता है, जिससे स्वस्थ वजन बनाए रखना अधिक कठिन हो जाता है। फाइबर से भरपूर आहार खाने से पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और वजन प्रबंधन को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। फाइबर के अच्छे स्त्रोतों में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और फलियां शामिल हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक महिला की पोषक तत्वों की ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं, इसलिए पंजीकृत आहार विशेषज्ञ से परामर्श करना हमेशा एक अच्छा विचार है कि कौन से पोषक तत्व और पूरक आपके लिए सही हैं।

बच्चों के लिए और भी खतरनाक हो सकती हैं हीट वेव्स, इस गर्मी इन तरीकों से करें उन्हें प्रोटेक्ट

गर्मी में आप बच्चों को पूरे दिन घर के अंदर बंद नहीं रख सकती हैं। इस स्थिति में चिलचिलाती धूप और गर्म हवा से उन्हें बचाने के लिए विशेष सावधानियां बरतने की आवश्यकता होती है। बढ़ता तापमान अपने साथ कई परेशानियां लेकर आता है। चिलचिलाती धूप और गर्मी में हवाएं भी काफी गर्म हो जाती हैं, जिसे हम आम भाषा में हीटवेव कहते हैं। हीटवेव खासकर बच्चों को अधिक प्रभावित करती है। बड़े सावधानी बरत लेते हैं, परंतु छोटे बच्चों के लिए खुद का ध्यान रखना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में स्कूल, कोचिंग और खेल कूद करते वक्त हीटवेव से प्रभावित होने का खतरा बना रहता है। हीटवेव के कारण छोटे बच्चों में हीट स्ट्रोक, हीट स्ट्रेस, एलर्जी, रेस्पिरेट्री प्रॉब्लम, मच्छरों से होने वाली बीमारी, कार्डियोवैस्कुलर समस्याएं तथा डायरिया होने का खतरा बना रहता है। इस स्थिति में बच्चों को एक उचित और प्रभावी प्रोटेक्शन देना बहुत जरूरी है। सालों से मां और दादी घर के छोटे बच्चों को गर्मी में उचित देखभाल देती चली आ रही हैं, उनकी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए आज हेल्थ शॉट्स लेकर आया है गर्मी में बच्चों को हीटवेव से प्रोटेक्ट करने के कुछ प्रभावी उपाय।

1. **बच्चों के शरीर को पूरी तरह से हाइड्रेटेड रखें**-बड़े उम्र के लोग प्यास लगने पर पानी पीकर खुद को संतुष्ट कर लेते हैं, परंतु छोटे बच्चे ऐसा नहीं कर पाते। उन्हें प्यास तो महसूस होती है, परंतु वे खुद से पानी नहीं पी सकते। जब तक कि बच्चा 2 साल से अधिक का न हो जाए वह खुद से पानी नहीं पीता। इस स्थिति में यह जिम्मेदारी आपकी है कि आप अपने बच्चे को एक उचित समय के बाद पानी जरूर पिलाएं। इसके अलावा कुछ अन्य हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स भी दे सकती हैं। जिससे कि उनका शरीर पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहे और उन्हें हीटवेव से लड़ने में आसानी हो।

2. **सन प्रोटेक्शन है बहुत जरूरी**-बड़ों की तुलना में बच्चों की त्वचा अधिक संवेदनशील होती है जैसे सूरज की किरने आसानी से प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए बाहर निकलने से पहले उनकी त्वचा पर सनस्क्रीन अप्लाई करना न भूलें। पहले के समय में मां और दादी त्वचा पर नारियल तेल लगा देती थी, परंतु अब सनस्क्रीन आसानी से उपलब्ध है तो आप इसे अप्लाई कर सकती हैं। अपने बच्चे के चेहरे, गर्दन हाथ और यदि शरीर का कोई अन्य अंग कपड़े से नहीं ढका है तो उस पर सनस्क्रीन जरूर अप्लाई करें। एक सही सनस्क्रीन का चयन करने के लिए अपने डॉक्टर की सलाह ले सकती हैं।

3. **सही कपड़ों का चयन करें**-गर्मी में बच्चों को सही कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। आजकल लोग कपड़ों की लेयर से बच्चे को पूरी तरह से कवर कर देते हैं। ऐसा करना बिल्कुल भी उचित नहीं है। नेचुरल फैब्रिक जैसे कि कॉटन का हल्का और ढीला कपड़ा पहनाएं। सिंथेटिक कपड़ों से जितना हो सके उतना दूरी बनाए रखें क्योंकि यह कपड़े गर्मी को स्टोर करते हैं और शरीर को अत्यधिक गर्म कर सकते हैं। कॉटन के कपड़ों से हवा आरपार हो पाती है और शरीर के तापमान को संतुलित रहने में मदद मिलती है। इसके साथ ही बाहर जाने से पहले बच्चों को काले, ब्लू जैसे गहरे रंग के कपड़े न पहनाएं।

4. **गर्म मौसम में पंखा न चलाएं**-अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा प्रकाशित स्टडी के अनुसार बढ़ते तापमान के साथ हमेशा पंखे को अवॉइड करना चाहिए। खासकर हीटवेव की स्थिति में पंखा हवा को ठंडा नहीं करता, बल्कि यह कमरे के अंदर गर्म हवा को घुमाता रहता है। ऐसी स्थिति में यह बच्चे के बॉडी टेंपरेचर को संतुलित रखने की जगह इसे बढ़ा सकता है। ऐसे में गर्मी बढ़ने पर एक सामान्य तापमान पर ऐसी चलाएं और बच्चों के रूम टेंपरेचर को संतुलित रखें।

5. **बच्चों के आउटडोर एक्टिविटी की टाइमिंग का ध्यान रखें**-बच्चे और बड़े सभी के लिए गर्मी में 10 बजे सुबह से 2 बजे दोपहर की धूप में निकलना काफी खतरनाक हो सकता है।

त्वचा की सॉफ्टनेस बनाए रखने के लिए घर पर लें कोकोनट मिल्क बाथ

गर्मी में बॉडी को कूलिंग इफ्केक्ट देने के लिए कोकोनट मिल्क बाथ बेहद फायदेमंद है। खुद को तरोताज़ा रखने के लिए आप घर पर भी कोकोनट मिल्क बाथ आसानी से ले सकती हैं। जानते हैं इसके स्टेप्स।गर्मी के मौसम में शरीर को ठण्डक पहुंचाने के लिए कई चीजों का प्रयोग किया जाता है। सूरज की तेज़ किरणों के संपर्क में आते ही स्किन पूरी तरह से झुलस जाती है। ऐसे में स्किन को हाइड्रेट रखने के कोकोनट मिल्क बाथ एक सटीक उपाय है। नारियल को खाद्य पदार्थ और स्किन केयर के लिए प्रयोग किया जा रहा है। जानते हैं कि किस प्रकार से स्नान के दौरान इसका प्रयोग किया जा सकता है। स्टेप बाय स्टेप गाइड में जानते हैं इसके इस्तेमाल का तरीका और इससे होने वाले लाभ भी। स्किन की सॉफ्टनेस को बराकरार रखने के लिए नारियल में मौजूद सौंदर्यवर्धक गुण ब्यूटी को बढ़ाते हैं। इसमें प्रोटीन और विटामिन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पूरी तरह से ऑर्गेनिक और फुल फैट कोकोनट मिल्क त्वचा को हेल्दी रखने वाले फैटी एसिड में समृद्ध है। ये स्किन को मुलायम बनाता है।

क्या कोकोनट मिल्क आपके लिए फायदेमंद हैं-नारियल का दूध पीने से हमारे शरीर में मौजूद बैड कोलेस्ट्रॉल कम होने लगते हैं। ये मसल्ट को बिल्अ करने के अलावा वेटलॉस में भी मददगार साबित होता है। इम्यून सिस्टम को मज़बूत करने वाले इस दूध का इस्तेमाल स्मूदीज़ और व्यंजनों में कर सकते हैं। 1. सबसे पहले अपने बाथिंग टब में एक केन नारियल के दूध को मिलाएं। इसे पानी में पूरी तरह से मिक्स कर लें। इसमें मौजूद नेचरल ऑयल पानी को चिकना बना देते हैं।2. अब इसमें अपना पसंदीदा एसेंशियल ऑयल मिक्स दें। इससे न केवल एक अनूठी खुशबू का अनुभव होगा। बल्कि त्वचा को उस तेल के गुणों का फायदा मिल पाएगा और जोड़ों के दर्द व पसीने की दुर्गंध से भी छुटकारा मिल सकता है। 3. इसके बाद एक बाउल पानी में मुट्ठी भर एप्सम बाथ साल्ट मिलाएं और कुछ देर गर्म करें। मैग्नीशियम सल्फेट से तैयार होने वाला ये नमक शरीर में मौजूद दर्द या किसी प्रकार की पीड़ा को दूर करने का काम करता है। इससे स्किन पहले से ज्यादा ग्लोइंग और स्मूद हो जाएगी। इसमें मौजूद मैग्नीशियम आपके ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है।

कॉफी भी कर सकती है वेट लॉस में आपकी मदद

कब और कौन सी कॉफी करेगी आपके लिए काम

कॉफी हमारी बॉडी को एक्टिव रखने का काम करती है। इसके अलावा शरीर को कई प्रकार के लाभ पहुंचाती है। जानते है कि कॉफी को किस प्रकार से बना पाते हैं, ज्यादा पौष्टिक। मूड बूस्टर के रूप में काम करने वाली कॉफी हमारे शरीर को दिन भर एक्टिव बनाए रखती है। मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने वाला कॉफी ड्रिंक वेटलॉस में भी मददगार(साबित होता है। हांलाकि ज्यादा मात्रा में कॉफी इनटेक से शरीर में एंग्जाइटी, थकान और हार्ट बीट बढ़ने जैसी समस्याएं पैदा होने लगती हैं। एनसीबीआई के मुताबिक अगर आपका वज़न 150 पाउंड है, तो आप दिन में 2 से 4 कप कॉफी पी सकते है। अत्यधिक कॉफी भी आपके शरीर को नुकसान पहुंचाने का काम करती है।एनसीबीआई के मुताबिक कैफीन लेने का सही वक्त व्यायाम करने से 60 मिनट पूर्व है। कैफीन कैप्सूल की तुलना में कैफीन च्यूइंग गम को खाकर आप एक घंटे से पहले भी व्यायाम आरंभ कर सकते हैं। कॉफी व्यायाम के दौरान हमारी फिजिकल परफार्मेंस को बेहतर बनाने का काम भी करती है।इस बारे में डाइटीशियन काजल अग्रवाल, फाउंडर ऑफ डाइटीशियन काजल हेल्थ एप का कहना है कि कॉफी शरीर में मेटाबाल्ज़िम को बढ़ाने का काम करती है। इसके अलावा अगर आप इसे किसी हेल्दी कैलोरी डिफेसिन्ट फूड के साथ मिलाकर लेती हैं, तो इससे ये वजन घटाने में मददगार साबित होगी।

1. **ब्लैक कॉफी**-एंटीऑक्सीडेंटस से भरपूर ब्लैक कॉफी कैलोरी फ्री होती है। विशेषज्ञ के मुताबिक कॉफी से मिलने वाला कैफीन वजन घटाने में मददगार साबित होता है। उनका कहना है कि जब हम कॉफी में शुगर, क्रीमर और अन्य चीजों को स्वाइ के मुताबिक एड करने लगते हैं, तो उससे कैलोरीज़ बढ़ने लगती है। अगर आप वेटलॉस जर्नी पर हैं, तो ब्लैक कॉफी एक फायदेमंद विकल्प है। अगर आप ब्लड प्रेशर के मरीज़ है, तो डॉक्टर की सलाह से ही इसे लें।

2. **प्रोटीन कॉफी**-कॉफी पसंद करने वाले अधिकतर लोग इसमें फलेवर एड करने के लिए प्रोटीन पाउडर का प्रयोग करते हैं। कॉफी में प्रोटीन पाउडर को जोड़ने मात्र से टेस्ट, टैक्सचर और उसकी गुणवत्ता में अंतर आने लगता है। वजन घटाने के लिए अगर आप कॉफी को चुनती हैं, तो इस प्राकर से आपके शरीर को प्रोटीन की भी प्राप्ति होने लगती है। इससे आपका शरीर दिनभर एक्टिव बना रहता है। दरअसल प्रोटीन की मदद से मसल्स बिल्ड होने लगते हैं। साथ ही इससे बॉडी फैट कम होता है।

कॉफी हमारी बॉडी को एक्टिव रखने का काम करती है। इसके अलावा शरीर को कई प्रकार के लाभ पहुंचाती है। जानते है कि कॉफी को किस प्रकार से बना पाते हैं, ज्यादा पौष्टिक। मूड बूस्टर के रूप में काम करने वाली कॉफी हमारे शरीर को दिन भर एक्टिव बनाए रखती है। मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने वाला कॉफी ड्रिंक वेटलॉस में भी मददगार(साबित होता है। हांलाकि ज्यादा मात्रा में कॉफी इनटेक से शरीर में एंग्जाइटी, थकान और हार्ट बीट बढ़ने जैसी समस्याएं पैदा होने लगती हैं।

3. **दालचीनी कॉफी**-दालचीनी में नेचुरल मिठास होती है। साथ ही इसके चुटकी भर इस्तेमाल से मेटाबॉल्जिम बढ़ने लगता है। मिशिगन जीवन विज्ञान युनिवर्सिटी की एक स्टडी में पाया गया है कि कॉफी में दालचीनी को एड करने से ये बॉडी में फैटस को बर्न करती करती है।

4. **टर्मरिक कॉफी**-अगर आप एक कप कॉफी में आधा चम्मच कच्ची हल्दी को मिला लेती है, तो इससे कॉफी का पोषण स्तर बढ़ जाता है। इसमें पाया जाने वाला क्रक्यूमिन वेटलॉस में भी मददगार साबित होता है। इसके अलाव हल्दी शरीर में होनी वाली सूजन को भी दूर करने का काम करती है।

5. **कोकोआ कॉफी**-एक स्कूप कोकोआ पाउडर की मिलाने से कॉफी का फलेवर काफी रिच और बेहतर होने लगता है। ढ़ेर सारे एंटी ऑक्सीडेंटस से भरपूर ये तत्व वेट रिडक्शन में भी मदद करता है। नेशनल लादब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक कोकोआ यानि डार्क चॉकलेट मोटापे के शिकार लोगों के लिए फायदेमंद है। इसके अलावा ये क्रानिक डिज़ीज़ से शरीर की रक्षा करने में भी मददगार साबित होता है।

6. **लो फैट मिल्क कॉफी**-द स्पोर्टस न्यूट्रीशन प्लेबुक के ऑर्थर के मुताबिक दिन में अगर बार-बार कॉफी पीते हैं, तो इससे आपके शरीर में कैलोरीज़ जमा होने लगती है। ऐसे में विपड क्रीम या कोई अन्य क्रीम इस्तेमाल करने की बजाय मिल्क कॉफी बनाने के लिए लो फैट मिल्क प्रयोग करें। इससे न केवल कॉफी का स्वाद बेहतर बनेगा बल्कि पोषक तत्व भी मिलेंगे।

मेधावी छात्रों और अभिभावकों का सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नव आदर्श उच्च माध्यमिक विद्या मन्दिर स्कूल, नीमराना में मेधावी छात्रों और उनके अभिभावकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा में टॉप करने वाले छात्रों को माला, साफा, मेडल, और उपहार देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता शाला प्रधानाचार्य श्री सतीश यादव जी ने की। उन्होंने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया। शिक्षा

अधिकारियों ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन किया और उनके भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अभिभावकों को भी माला पहनाकर सम्मानित किया गया। शाला परिवार द्वारा मुंह मीठा कराया गया और छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। सम्मान समारोह में उपस्थित शाला शिक्षकों का भी पूरा सहयोग रहा।

भीषण गर्मी में पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई कैम्प में

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

पीने के पानी की समस्या के समाधान की मांग को लेकर बड़ी संख्या में महिलाओं ने यहां पंचायत समिति सभागार में हो रही ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में अपनी फरियाद लेकर पहुंची व जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत होकर भीषण गर्मी में पीने के पानी की विकट स्थिति के संदर्भ में अपनी पीड़ा का इजहार करते हुए पूर्व पार्षद राकेश कुमार सैनी के नेतृत्व में अपनी बात जनसुनवाई में रखते हुए ज्ञापन दिया। पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को शुरू हुई ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई के दौरान वार्ड 38 के पूर्व पार्षद राकेश कुमार सैनी के नेतृत्व में पहुंचीं महिलाओं ने ज्ञापन में वार्ड 28 पुराना व नये 38 में स्थित ट्यूबवेल कनेक्शन की सप्लाई पुनः चालू करवाने की मांग की । जनसुनवाई में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक गोविंद सिंह डोटासरा, उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, तहसीलदार फारूक अली, जनस्वास्थ्य अभियात्रिकी विभाग

सहित ब्लॉक स्तरीय विभागों के अधिकारियों को पूर्व पार्षद के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया कि उक्त वार्ड में एसडीएम कोर्ट रोड पर विधायक कोटे से वार्ड 38 नये में पानी की समस्या के समाधान के लिए ट्यूबवेल कनेक्शन किया गया था। जिसे वर्तमान में उक्त ट्यूबवेल कनेक्शन के पाइप लाइन को एल एन टी की सप्लाई लाइन से जोड़ दिया गया। जिससे वार्ड 38 के वाशिंदों को गर्मी के मौसम में पीने के पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में ट्यूबवेल कनेक्शन की सप्लाई को वार्ड की पूर्व सप्लाई लाइन से जुडवाने व वार्ड के नागरिकों को पीने के पानी की समस्या से राहत दिलाने की मांग की है। इस अवसर पर राकेश कुमार, रतनलाल सैनी, सांवरमल जांगिड़, रामलाल सैनी, परमेश्वर सैनी, श्री राम सैनी, पुरुषोत्तम, विनोद सैनी, शुभकरण सैनी, रामलाल सैनी, महेंद्र सैनी, अभय सैनी, दुर्गा देवी, गीत देवी, शारदा देवी, मनीषा देवी, द्रोपती देवी, पुष्पा देवी, माया देवी, दीपिका देवी, गायत्री देवी, खुशी देवी, पम्मी देवी, माया देवी, सुनीता देवी, सुमन देवी, मुन्नी देवी, गोमती देवी, रामादेवी, भुगानी देवी, उमा देवी ,लक्ष्मी देवी, सीता देवी, सरोज देवी, संतरा देवी, कमला देवी, सुलोचना, भानु देवी, मुली देवी, रतनी देवी, सुमन देवी, चंदा देवी,सरिता देवी ,संगीता देवी सहित बड़ी संख्या में वार्ड की महिलाएं व पुरुष मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक डोटासरा ने समाधान का आश्वासन देते हुए विभाग के संबंधित अधिकारी से मामले का तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पंचायत समिति सभागार में मंडावा में उपखंड स्तरीय जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित

प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई कर किया समस्याओं का निस्तारण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । हर माह में द्वितीय गुरुवार को होने वाली उपखंड स्तरीय होने वाली जन सुनवाई को लेकर मंडावा पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को उपखंड स्तरीय जन सुनवाई कार्यक्रम उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी की उपस्थिति में आयोजित की गई। तहसीलदार डॉ.सुरेन्द्र भास्कर ने जानकारी देते हुए बताया कि जन सुनवाई में विभिन्न विभागों के अलग अलग प्रकरण प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि जन सुनवाई में दर्जनों

प्रकरण प्राप्त हुए। प्राप्त प्रकरणो में पीडब्ल्यू विभाग,राजस्व, नगरपालिका,पंचायत समिति,सूचना प्रोद्योगिकी विभाग के प्रकरण प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि प्राप्त हुए अधिकाश प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। सुनवाई के दौरान शेष रहे सभी प्रकरणों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मंडावा उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी,मंडावा तहसीलदार डॉ.सुरेन्द्र भास्कर, बिसाउ तहसीलदार शेरसिंह राठौड़,एएओ राजेन्द्र सिंह, बीएसओ शारदा, पीएचईडी जेईएन रामसिंह गुर्जर, एएचडी डॉ. अनिल,शिक्षा विभाग के उत्तम दाधिच,सीडीपीओ के गणेश सिंह,बीएसएसओ विभाग की सुनिता धायल,डीओआईटी प्रोग्रामर पूजा चौधरी,एडीओ राकेश कुमार सहित अन्य विभाग के अधिकारी ओर कार्मिक उपस्थित रहे।

झुंझुनूं में मंत्रालयिक कर्मचारी समिति चुनाव: राजेश बजाड़ का सम्मान, अध्यक्ष बनने पर हुआ अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

मंत्रालयिक कर्मचारी जिला समन्वय समिति झुंझुनूं के हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में अध्यक्ष पद पर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजेश बजाड़ की जीत के बाद समाज के लोगों ने उनका भव्य सम्मान किया। यह सम्मान समारोह अंबेडकर पार्क में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में समाज के लोग और कर्मचारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने राजेश बजाड़ का माल्यार्पण कर तथा साफा पहनाकर स्वागत किया। इसके साथ ही उन्हें बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत में राजेश बजाड़ ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर

उन्हें नमन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में राजेश बजाड़ ने कहा कि वे आज बाबा साहब द्वारा दिए गए वोट के अधिकार की वजह से ही इस पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सर्वसमाज के कर्मचारियों ने उन्हें अपना मत और समर्थन देकर विजयी बनाया है, जिसके लिए वे सभी के आभारी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हमेशा कर्मचारियों और समाज के हित में कार्य करते रहेंगे।समारोह में गौरव सेनानी ओमप्रकाश भूरिया, महेश कुमार दौलतपुरा, संजीव कुमार बारूपाल, डीके महरिया, राजेश हरिपुरा, महेश जसरापुर, संदीप पाटिल, लोकेश सेवदा, अजय काला, सीताराम (बास बुडाना), अजय नुआ, मदनलाल गुडेसर, संदीप टंडन, अजय वर्मा, मानसिंह बृजलालपुरा, सुनील सोती और जितेंद्र कुमार गर्वा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें। यह आयोजन न केवल एक सम्मान समारोह रहा, बल्कि कर्मचारियों की एकता और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बना।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती की व्यवस्था को लेकर अधिशासी अधिकारी को सोपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । 14 अप्रैल को आयोजित होने वाली अंबेडकर जयंती की व्यवस्था को लेकर कार्यकर्ताओं ने अधिशासी अधिकारी के नाम एसआई विष्णु कुमार को गुरुवार को ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन में लिखा है कि अंबेडकर भवन उदयपुरवाटी में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रातः 10:00 बजे मनाई जाएगी। जिसमें नगर पालिका प्रशासन द्वारा साफ सफाई,रोशनी व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, टेंट की व्यवस्था,मेन गेट, मुख्य द्वार, जमीन को समतल करवाने सहित आदि व्यवस्था करने को लेकर कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन दिया है। इस दौरान डॉक्टर अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष राधेश्याम रचयिता, नेहरू वाल्मीकि, सुरेश नायक, विक्रम असवाल, राजेंद्र ढेनवाल, कमल नगर, हरजी राम,दौलत राम वाल्मीकि, सुरेश कुमार, आकाश असवाल, राहुल कुमार, अमन कुमार, सुल्तान सहित आदि थे।

रिटायर्ड डिप्टी डीईओ बिरेंद्र सिंह की पुत्र वधु प्रिया का नेट जेआरएफ उत्तीर्ण किया

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

रिटायर्ड डिप्टी डीईओ बिरेंद्र सिंह की पुत्र वधु प्रिया पत्नी प्रशांत यादव का इतिहास विषय में पहले प्रयास में नेट व जेआरएफ के उर्तीण किया है। इस उपलब्धि पर परिवार व मित्र मंडली में खुशी का माहौल है। दौंगड़ा अहीर निवासी प्रिया ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता व ससुराल जनों को दिया है। इस चयन में पहलवान खेताराम, सूरजभान बोहरा, ललित कुमार, दयानंद बोहरा, दयाराम, बाबू ज्ञानचंद कलवाड़ी, स्टेट अवार्डी शिक्षक अरविंद कुमार आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की है। प्रिया का सपना पीएचडी कर शिक्षक बन कर देश में वैज्ञानिक व तार्किक सोच पैदा करना है।

11 से 14 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रमो का होगा आयोजन

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह के दौरान होंगे कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह के दौरान 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि 11 अप्रैल को जिला स्तर पर ज्योतिबा फुले की मूर्ति प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित होगा। वही 12 अप्रैल को संविधान को जाने 'ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता' का शुभारंभ होगा, जो जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होगी। 13 अप्रैल को स्वच्छता एवं सामाजिक समरसता के कार्यक्रम जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होंगे। 14 अप्रैल को डॉक्टर अंबेडकर जयंती समारोह जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होगा।

गणियार में 24 लाख की लागत से गंदे पानी की निकासी के नाले का कार्य शुरू, गंदे पानी की निकासी से मिलेगा निजात

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली खंड के गांव गणियार में गंदे पानी की निकासी का कार्य शुरू हो गया है। गांव में लंबे समय से गंदे पानी की निकासी की समस्या बनी हुई थी। एक्सईएन पंचायती राज से करीब 24 लाख की लागत से करीब दो हजार फीट लंबे नाले का निर्माण कर गंदे पानी की समस्या का हल किया जाएगा। इसके लिए संबंधित एजेंसी ज्योति इंफ्रा लेबर एंड कंस्ट्रक्शन सोसायटी मोहम्मदपुर ने अपना कार्य शुरू कर दिया है। कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षा के दिनों में तो गंदे पानी की समस्या काफी गंभीर बन जाती थी।

सोसायटी के प्रधान शिवरत्न ने बताया कि ढ़ाई फीट चौड़ा नाला होगा जिससे गंदे पानी की निकासी समुचित तरीके से होगी। पंचायती राज से नाले की जो ड्राइंग के आधार पर कार्य शुरू किया गया है। गांव की सरपंच सुनिता देवी ने बताया कि पंचायती कुएं के समीप से यह नाला शुरू हो कर गंदे पानी की निकासी के लिए नाला शुरू कर बोचडिया के रास्ते पर पंचायती जमीन में गड्ढा खोद कर डिस्पोज किया जाएगा। पंचायत विभाग ने ग्रामीणों से बनाने में सहयोग करने की अपील की है। पंचायत विभाग का कहना कि ग्रामीण नाला बनाने में अपना सहयोग करें।

आगरा में रोटरी क्लब नारनौल बेलाज का गौरव, डॉ. उषा यादव बनीं 2026-27 की प्रेसिडेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

आगरा में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में रोटरी क्लब नारनौल बेलाज के लिए गर्व का क्षण देखने को मिला। आगामी वर्ष 2026-27 के लिए क्लब की नई प्रेसिडेंट के रूप में डॉ. उषा यादव को विधिवत लीडरशिप डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अजीत जालान द्वारा प्रदान किया गया। समारोह के दौरान डॉ. उषा यादव ने अपने संबोधन में आगामी सत्र के लिए क्लब की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर जनहितकारी प्रोजेक्ट्स शुरू किए जाएंगे। उन्होंने समाज के हर वर्ग तक सेवा पहुंचाने और रोटरी के मूल सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी व्यक्त किया। इस उपलब्धि पर क्लब के वर्तमान प्रेसिडेंट निर्मल जिंदल, कोषाध्यक्ष रजनी गर्ग सहित रेनू मित्तल, रेखा रावत, ममता गोयल, सरिता गर्ग और पूनम चौधरी समेत सभी सदस्यों ने खुशी जाहिर करते

हुए डॉ. उषा यादव को बधाई दी। सभी ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में क्लब नई ऊंचाइयों को छुएगा और समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा।कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए रोटरी सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया। यह आयोजन न केवल नेतृत्व परिवर्तन का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक सेवा के नए संकल्पों की शुरुआत का भी संदेश लेकर आया।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की मेघावी छात्राओं का किया सम्मान,मनाया विजयोत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे की नानी बाई जैपुरिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावा में विजयोत्सव मनाते हुए बोर्ड परीक्षा की रही मेघावी छात्राओं का आज विद्यालय परिसर में सम्मान किया गया। संस्था प्रधानाचार्य उर्मिला ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में कक्षा 12 वीं एवं 10 वीं कक्षाओं में 75प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं का माला पहनाकर, साफा ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मान ओर अभिनंदन किया गया। इस मौके पर बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का उत्कृष्ट परिणाम रहने पर अभिभावकों, छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा जश्न भी मनाया गया।

स्वागत एवं अभिवादन समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य उर्मिला कुमारी ने की। मुख्य अतिथि भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी रहे। विशिष्ट अतिथि संदीप शर्मा ,समाजसेवी बजरंग बालाण, बालकिशन भाटीवाडा भामाशाह एवं छात्राओं के अभिभावक मंचासीन रहे। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य अरुणा अरडावतिया, व्याख्याता हेमन्त कुमारी, व्याख्याता सुप्यार कुमारी, ललिता चौधरी, रिछपाल सिंह, विजेन्द्र सिंह, चेतना, कमला, सरोज कुमारी, ओमप्रकाश, राजेश चिरानिया, आमीना, सलमा, सुनीता कुमारी, मंजू जाखड, सोनिया, विनोद कुमार एवं छात्राध्यापक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कमला चौधरी ने किया।

टोहाना पुलिस की पहल : सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी

ट्रैफिक पुलिस ने बच्चों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के महत्व से अवगत कराया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना की ट्रैफिक पुलिस टीम ने आज सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, टोहाना का दौरा किया और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। टीम का नेतृत्व ट्रैफिक प्रभारी ने किया और बच्चों को बताया कि सड़क पर सुरक्षा नियमों का पालन करना कितना आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को हेलमेट पहनने, सड़क पार करते समय जॉयनिंग पाथ का उपयोग करने और लाल बत्ती पर रुकने जैसे बुनियादी नियमों की जानकारी दी। इसके अलावा, उन्होंने बच्चों को बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन केवल कानूनी अपराध नहीं है, बल्कि इससे उनकी और अन्य लोगों की जान को भी खतरा होता है। इस अवसर पर बच्चों ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा और समझ बढ़ाई। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को रोचक तरीकों से सड़क सुरक्षा के संदेश दिए और छोटे-छोटे उदाहरणों के माध्यम से बताया कि नियमों का पालन करना कैसे दुर्घटनाओं को रोक सकता है। स्कूल प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता

बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं। उन्होंने सभी बच्चों को प्रेरित किया कि वे अपनी शिक्षा के साथ-साथ यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। टोहाना ट्रैफिक पुलिस ने इस मौके पर घोषणा की कि जिलेभर के स्कूलों में इसी तरह के जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों और युवाओं में सड़क सुरक्षा की आदतें विकसित हो सकें। इस कार्यक्रम से न केवल बच्चों में जागरूकता बढ़ी, बल्कि उन्हें यह भी समझ आया कि नियमों का पालन करना और जिम्मेदारी से सड़क पर चलना हर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

भारत निर्माण युवा दल द्वारा, नशे से दूर रहें, स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ें

नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और परिवार को प्रभावित करता है-अभिमन्यु राव

भीम प्रज्ञा न्यूज. मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । भारत निर्माण युवा दल के तत्वाधान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मास्टर मोतीलाल मैरिज पैलेस हवाई पट्टी रोड, मिर्जापुर-बाछौद में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में

युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारत निर्माण युवा दल हरियाणा एवं मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी अभिमन्यु सिंह यादव ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और परिवार को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई तथा उपस्थित लोगों को जागरूक रहने और दूसरों को भी प्रेरित करने का संकल्प दिलाया गया। भारत निर्माण युवा दल भविष्य में भी ऐसे सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जिससे समाज को एक सकारात्मक दिशा मिल सके। इस मौके पर रोशन लाल सौदागर, नत्थू नंबरदार, कालूराम, बृजलाल सेन, बिल्लू पंच, राकेश,नवीन, वेदपाल आदि मौजूद रहें।

टोहाना शहर में गैस वितरण में एजेंसी के कार्यकलापों की एसडीएम से जांच व कार्यवाही की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना की दोनों गैस एजेंसीयों के गैस सिलेंडर वितरण करने वाले डीलीवरी बाय व कम्प्यूटर पर डिलीवरड का मैसेज भेजने सम्बंधी जांच की मांग टोहाना शहरवासियों ने की है। शहरवासियों की शिकायत है कि सिलेंडर बुक करवाने के एक महीने बाद सम्बंधित4 उपभोक्ता के मोबाइल पर संदेश आया है कि सिलेंडर डीलिवर्ड,इस संदेश के बाद जब गैस एजेंसी से सम्बन्धित डीलिवरी बाय से इस सम्बन्ध में बताया जाता है कि हमारे पास गैस सिलेंडर वितरण सम्बन्धी संदेश प्राप्त हुआ है परंतु सिलेंडर मिला नहीं इस पर डीलिवरी बाय काफी अभद्रता से जबाब देता है कि आप एजेंसी से सम्पर्क करो। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि जब उपभोक्ता गैस एजेंसी जाते हैं तो उनका जबाब होता है कि आप का सिलेंडर कम्प्यूटर दिखा रहा है किद्ध डिलीवर हो चुका है आप अपने सम्बंधित डीलीवरी बाय से सम्पर्क करो,जब डीलीवरी बाय से फोन पर सम्पर्क किया जाता है तो उक्त

व्यक्ति का व्यवहार काफी गैरजिम्मेदाराना होता है। शहरवासियों ने टोहाना उपमंडल अधिकारी (नागरिक) से मांग की है कि शहरवासियों की गैस वितरण एजेंसीयों से सम्बंधित सभी प्रकार के रिकार्ड व कर्मचारियों के कृत्यों की जांच की जाए जिससे गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर अंकुश लगाया जा सके।

पद और प्रतिष्ठा तो समय की दहलीज तक साथ देते हैं, लेकिन स्वच्छता से गढ़ी गई पहचान युगों तक जीवित रहती है- के के गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान सरकार के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन शहर के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के के गुप्ता द्वारा गुरुवार को जिला कलेक्ट्री सभागार धौलपुर में स्वच्छता कार्यशाला को संबोधित किया गया। गुप्ता ने कहा कि व्यक्ति के काम के दम पर बनाई हुई पहचान चिरस्थाई रहती है, क्योंकि कोई भी जनप्रतिनिधि 5 वर्ष के लिए जनता द्वारा चुना जाता है, लेकिन उस जनप्रतिनिधि द्वारा नवाचार अपनाते हुए अभूतपूर्व जनकल्याण और विकास के कार्य किए जाएं तो कार्यों की बदौलत पहचान युग युगांतर तक बनी रहती है। गुप्ता ने कहा कि कार्यकाल पूरा होने के बाद व्यक्ति को अपने पद से हटाना पड़ता है लेकिन उसके द्वारा किए गए कार्यों से सदैव पहचान बनी रहती है। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन कोई साधारण सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि यह भारत देश के लगभग 145 करोड़ लोगों के साथ सीधे रूप से जुड़ा हुआ है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में इस स्वच्छता अभियान को प्रारंभ किया था उसके पीछे उनका विजन था कि हमारा देश को स्वच्छ बनाना है और गंदगी से होने वाली बीमारियों से लोगों को बचाना है। इसके बाद इस अभियान ने गति पकड़ी और वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि स्वच्छता अभियान की बदौलत देश प्रदेश का वातावरण स्वच्छ और सुंदर बना है। हमारा गांव, ढाणी, कस्बा, शहर और जिला गंदगी और कचरे से मुक्त होकर स्वच्छ और सुंदर दिखने लगा है। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के प्रति प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री महोदय बहुत गंभीर हैं और उनके स्पष्ट निर्देश हैं कि स्वच्छता अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं रखी

जाए और जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ प्रदेश की प्रत्येक निकाय के अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्य करने के लिए आदेशित करें। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के भी सख्त आदेश है कि स्वच्छता कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं रखते हुए प्रदेश की सभी 309 नगर निकाय को एबीसीडी ग्रेडिंग देते हुए स्वच्छता के मापदंड पर परखा जाएगा। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा साहब का संकल्प है कि हमारा राज्य समृद्ध और विकसित बने जिसके लिए स्वच्छ भारत मिशन अभियान सबसे प्राथमिक कड़ी का कार्य करता है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में 9 से 11 दिसंबर 2024 को आयोजित राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम जिसमें लगभग 30 हजार करोड रुपए से अधिक का निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए जिसमें से 8 हजार करोड़ के एमओयू पर काम भी प्रारंभ हो गया है यह राजस्थान के लिए बहुत बड़ा गौरव का विषय है जिसका सारा श्रेय राजस्थान यशस्वी मुख्यमंत्री को जाता है इससे राजस्थान समृद्ध और विकसित राजस्थान बनेगा तथा हम सबको मिलकर स्वच्छ राजस्थान बनाना होगा। बैठक में धौलपुर के जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने कहा कि हरिशचंद्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान जयपुर में उनके प्रशिक्षण काल के दौरान उन्हें डूंगरपुर नगर परिषद के स्वच्छता मॉडल को पढ़ने और जानने का अवसर मिला था। इसके पश्चात परिवीक्षा अवधि में उदयपुर शहर में रहने का अवसर मिला तब पड़ोस में ही डूंगरपुर शहर में जाकर यहां का स्वच्छ और सुंदर वातावरण देखा तब एहसास हुआ कि वास्तव में डूंगरपुर स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चाओं में क्यों रहता है तथा प्रत्येक स्वच्छता सर्वेक्षण में डूंगरपुर अव्वल स्थान प्राप्त करता है।

स्वच्छता को प्रभावित करते हैं यह 5 मुख्य घटक

घर-घर कचरा संग्रहण: सुबह 10 बजे से पूर्व शत-प्रतिशत घर-घर कचरा संग्रहण हो। स्रोत पर ही गीला और सूखा कचरा अलग किया जाए। जनजागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाएं। कचरा संग्रहण की सूक्ष्म मॉनिटरिंग हो ताकि कोई लूपहोल नहीं रहे।

नाइट स्वीपिंग : रात्रि 10 बजे से सुबह 4 बजे तक प्रत्येक 400 मीटर क्षेत्र में एक कर्मचारी सफाई करे। वाणिज्यिक क्षेत्रों में 365 दिन रात्रिकालीन सफाई होनी चाहिए। रात की पारी में सफाई करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

सार्वजनिक शौचालय : सार्वजनिक शौचालय दिन में तीन बार साफ हों। अधिकारी और स्वास्थ्य निरीक्षण स्वयं दिन में एक बार सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करें। इससे शौचालयों में स्वच्छता बढ़ेगी जिससे आमजन की सराहना भी मिलेगी। विद्यालयों के शौचालयों की भी नियमित सफाई करवाएं।

प्लास्टिक थैली : प्लास्टिक थैली हमारे पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और पशुओं के लिए हानिकारक है। प्लास्टिक थैली के उपयोग को इस हद तक हतोत्साहित करना होगा कि प्लास्टिक हमें नजर ही नहीं आए। प्लास्टिक थैली का उत्पादन और व्यापार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए।

खाली प्लॉट्स : शहर में खाली प्लाट्स कचरे का बड़ा केंद्र बन गए हैं। ऐसे सभी खाली प्लाट्स के मालिकों को गंदगी साफ करवाने के बाद बाउण्ड्री करवाने के लिए पाबंद करें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो निगम यह काम करवाए और लागत का 10 गुना प्लॉट मालिक से वसूले। राशि जमा नहीं करवाने पर प्लॉट को सीज किया जाए।

इन बिन्दुओं पर भी दें ध्यान

शहर में शत प्रतिशत स्ट्रीट लाइट जलनी चाहिए। बाग-बगीचों की नियमित सफाई हो। वहां झूले लगे हों तथा फव्वारे कार्यशील हों। निर्माण सामग्री सड़को और नालियों को बाधित नहीं करे। बिना लाइसेंस के मांस की दुकानों को बंद करवाया जाए। डिवाइडर कचरा पात्र नहीं बनें। सरकारी सम्पत्तियों पर पोस्टर नहीं चिपके हों। कचरा यार्ड में आग नहीं लगनी चाहिए। 90 ए भू रूपांतरित करने के पूर्व भूमालिक द्वारा जमीन का विकास कार्य कराए जाने के स्पष्ट निर्देश दिए।

जिले की पांच मेडिकल स्टोर के औषधि अनुज्ञा पत्र 5 दिवस के लिए निलंबित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण कार्यालय द्वारा अनियमित मिलने पर जिले के 5 मैडिकल स्टोर के औषधि अनुज्ञा पत्र 5 दिवस के लिए निलंबित किए गए है। सहायक औषधि नियंत्रक अनूप रावत ने बताया कि जिले की 5 फर्मों पर विभिन्न प्रकार की अनियमिताएं मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें एस एस मेडिकल एंड प्रोविजनल स्टोर, राव मेडिकल एंड जनरल स्टोर, सुनील मेडिकल एजेंसी, आरके मेडिकल एंड जनरल स्टोर, आर जे मेडिकल स्टोर के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई विभाग के औषधि नियंत्रण अधिकारी लोकेश सिंह व सरिता मीणा की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। अनु ज्ञापन अधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक अनूप रावत ने बताया कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के नियम 59 के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियम 66 के तहत उक्त सभी फर्मो के औषधि अनुज्ञा पत्रों को 1 मई से 5 मई तक कुल 5 दिवस के लिए निलंबित किया गया है।

15 अप्रैल को आयोजित होगी सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक 15 अप्रैल को दोपहर 12:30 बजे कलेक्ट सभागार में आयोजित की जाएगी। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता सतीश चंद्र गुप्ता ने बताया कि उक्त बैठक में गत बैठक के सुझाव की क्रियान्वयन एवं आगामी रूपरेखा तय की जाएगी।

व्हाट्सएप यूजर्स के लिए नया साइबर खतरा, बिना ओटीपी अकाउंट हो सकता है हैक

'घोस्ट पेयरिंग' ट्रिक से ठग ले रहे हैं अकाउंट का पूरा कंट्रोल, पुलिस की सख्त चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने आमजन को व्हाट्सएप पर सक्रिय एक नए और गंभीर साइबर फ्रॉड के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी द्वारा 'घोस्ट पेयरिंग' नामक एक खतरनाक हैकिंग कैंपेन को लेकर चेतावनी जारी की गई है, जिसमें साइबर अपराधी बिना पासवर्ड, ओटीपी या सिम स्वैप के ही व्हाट्सएप अकाउंट को अपने कब्जे में ले लेते हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस साइबर ठगी में अपराधी किसी परिचित कॉन्टैक्ट के नाम से व्हाट्सएप पर एक संदिग्ध लिंक भेजते हैं, जैसे 'देखो यह फोटो '। जैसे ही यूजर इस लिंक पर क्लिक करता है, एक फर्जी फेसबुक या मीडिया व्यूअर पेज खुलता है, जो वेरिफिकेशन के बहाने मोबाइल नंबर डालने को कहता है। नंबर डालते ही हैकर्स व्हाट्सएप के फीचर का गलत इस्तेमाल कर अकाउंट को अपने डिवाइस से जोड़ लेते हैं। निकिता खट्टर ने बताया कि इस तरीके से ठग बैकग्राउंड में छिपकर यूजर के पुराने मैसेज पढ़ सकते हैं, रीयल-टाइम चैट देख सकते हैं और यूजर की ओर से उसके कॉन्टैक्ट्स को फोटो, वीडियो या मैसेज भेज सकते हैं। इससे न केवल निजता भंग होती है, बल्कि ठगी का दायरा तेजी से फैलता है। पुलिस अधीक्षक ने सलाह दी कि

आमजन किसी भी अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और किसी बाहरी वेबसाइट पर अपना मोबाइल नंबर, ओटीपी या निजी जानकारी दर्ज न करें। व्हाट्सएप सेटिंग्स में जाकर नियमित रूप से '' सेक्शन चेक करें और यदि कोई अनजान डिवाइस जुड़ा दिखे तो तुरंत उसे लॉगआउट करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी को संदेह हो कि उसका अकाउंट हैक हो गया है, तो तुरंत इंटरनेट बंद करें, व्हाट्सएप सेटिंग्स चेक करें और आवश्यक सुरक्षा कदम उठाएं। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करे। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि साइबर अपराधी छोटी सी लापरवाही का फायदा उठाते हैं। इसलिए सतर्क रहें, जागरूक रहें और इस चेतावनी को अपने परिवार व मित्रों के साथ साझा करें।

परशुराम जयंती पर निकलेगी रैली, विप्र समाज की मीटिंग का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के पुराना बाजार स्थित श्री रघुनाथजी का मंदिर में परशुराम जयंती ओर पलसाना में होने वाली नरसिंह लीला महोत्सव को लेकर पलसाना विप्र समाज कार्यकारिणी बैठक हुई। बैठक में 20 तारीख को होने वाली परशुराम रैली को लेकर पूर्व तैयारियों पर चर्चा की गई। जिसमें भगवान परशुराम जी का नगर भ्रमण व विप्र समाज का स्नेह मिलन समारोह का आयोजन करने पर चर्चा की गई । इस मीटिंग में सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर कार्यक्रम को सफल बनाने का दायित्व दिया गया। इस अवसर पर पं नानगराम पुजारी, शिक्षाविद् देवकरण शर्मा,एसीबीईओ कैलाश चंद्र लाटा, एडवोकेट योगेश कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा, द्वारका प्रसाद चोटिया, गोपाल शर्मा,परमेश्वर लाटा, लालचंद स्वामी, रामनारायण पारीक, नीरज चोटिया, संजय चोटिया,हर्ष शर्मा ,आशीष शर्मा, डॉ नवलकिशोर शर्मा, पंडित रामावतार शर्मा, जयप्रकाश पारीक, दीपक सहित विप्र समाज के अनेक गणमान्य नागरिक व विप्र बंधु उपस्थित रहे ।

भिरड़ाना-एमपी रोही से हिसार तक नई बस सेवा शुरू, ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

पूर्व विधायक दुड़ाराम ने हरी झंडी दिखाकर बस को किया रवाना, कनेक्टिविटी होगी मजबूत

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा रोडवेज द्वारा वीरवार को क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा की शुरुआत की गई। हरियाणा के पूर्व संसदीय सचिव एवं फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम ने भिरड़ाना-एमपी रोही गांव से हिसार तक नई बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रोडवेज क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामीण उपस्थित रहें। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि इस नई बस सेवा से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। इससे विद्यार्थियों, कर्मचारियों व आम नागरिकों को शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल क्षेत्र के विकास और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश के सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा आमजन को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे जनता को सहज, सुरक्षित और सुलभ सेवाएं मिल सकें। दुड़ाराम ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें। साथ ही उन्होंने कहा कि बस सेवा का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाएगा ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

हाईवे पर लूट का खेल खत्म: बालाहेड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार, लूटा माल बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा/बालाहेड़ी।

मनोज खंडेलवाल । 'कानून के हाथ लंबे होते हैं' यह कहावत एक बार फिर उस वक्त साकार होती नजर आई, जब नेशनल हाईवे-21 पर हुई लूट की वारदात का बालाहेड़ी पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की तत्परता और सघन कार्रवाई के चलते न केवल वारदात का पर्दाफाश हुआ, बल्कि लूटा गया मोबाइल और सोने की मुर्की भी बरामद कर ली गई, जिससे आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय का संदेश स्पष्ट रूप से गया है। महवा सीओ मनोहरलाल मीना के सुपरविजन में थानाधिकारी सत्यनारायण बसवाल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार 23 मार्च 2026 को शाम करीब साढ़े

छह बजे परिवादी भैरूसिंह निवासी फागी (जयपुर) अपनी बाइक से मथुरा से जयपुर की ओर जा रहा था, तभी एनएच-21 पर खोहरा नन्दसिंह के पास अज्ञात बदमाशों ने वाहन आगे लगाकर उसे रोक लिया और जबरन उसकी जेब से एंड्रॉयड मोबाइल एमआई नोट 14 प्रो तथा कान से सोने की मुर्की लूटकर फरार हो गए। इस घटना के बाद पुलिस थाना बालाहेड़ी में मामला दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दिन-रात मेहनत कर विभिन्न जिलों में दबिश दी और सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए सुराग जुटाए। इस दौरान कांस्टेबल भागीरथ ने अपनी सूझबूझ और खुफिया सूचना के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई। अंततः पुलिस ने आरोपी धर्मेन्द्र मीणा उर्फ धर्र उर्फ सरपंच पुत्र करनसिंह निवासी उल्लूपुरा थाना खेड़ली मोड़ जिला भरतपुर तथा अनुज कुमार उर्फ फट्टल पुत्र प्रकाशचंद निवासी गोपालपुरा थाना टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल व सोने की मुर्की बरामद कर ली।

जनसुनवाई में फूटा जनता का दर्द

सफाई, पानी, सड़क और सुरक्षा के मुद्दों पर महवा में उठी जोरदार आवाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । जब समस्याएं सिर चढ़कर बोलने लगें, तो आवाज भी बुलंद हो जाती है '–कुछ ऐसा ही नजारा उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में देखने को मिला, जहां अटल सेवा केंद्र में आयोजित सुनवाई के दौरान आमजन की समस्याएं खुलकर सामने आईं और जिम्मेदारों के समक्ष विकास और व्यवस्था की हकीकत उजागर हुई। जनसुनवाई में ग्राम रसीदपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने सफाई, पेयजल, सड़क और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों को लेकर प्रशासन से त्वरित समाधान की मांग की। जनसुनवाई के दौरान एडवोकेट भुवनेश त्रिवेदी सहित ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम के समक्ष बताया कि ग्राम रसीदपुर में पिछले चार महीनों से सार्वजनिक रास्तों और नालियों की सफाई नहीं हो रही है, जिससे गांव में कचरे के ढेर लग गए हैं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। हालात यह हैं कि बदबू और मच्छरों के प्रकोप से आमजन का जीना दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने बैरवा मोहल्ला स्थित अंबेडकर भवन में तीन फेज बोर करवाकर पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की भी मांग उठाई। साथ ही रसीदपुर से मंडावर-महवा मार्ग को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण, केसर चौराहा मार्ग पर बंद पड़े कार्य को पुनः शुरू करवाने तथा सड़क पर पड़े पत्थरों को हटाने की मांग की गई, ताकि आवागमन सुगम हो सके। ग्रामीणों ने कोपरेटिव सोसायटी के पास झुके हुए बिजली के खंभों को सीधा करवाने की भी मांग रखते हुए संभावित हादसों पर

चिंता जताई। शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी लोगों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन में संचालित हो रहा है, जिससे दो पारियों में पढ़ाई होने के कारण विद्यार्थियों को पूर्ण समय नहीं मिल पा रहा है, ऐसे में स्कूल को किले स्थित भवन में संचालित करने की मांग की गई।

जनसुनवाई में सुरक्षा के मुद्दे पर भी ग्रामीणों ने गंभीर चिंता जताते हुए नगर पालिका महवा द्वारा विभिन्न मार्गों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को शीघ्र चालू करवाने की मांग की, ताकि अपराधों और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। इस दौरान विकास अधिकारी महवा, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

बरसात ने बिगाड़ी फसल, मंडी में अटकी खरीद

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद प्रभावित, राहत की आस में किसान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'मेहनत की फसल जब आसमान की मार झेल जाए, तो किसान की उम्मीदें भी भीग जाती हैं '–कुछ ऐसे ही हालात इन दिनों मंडावर अनाज मंडी में देखने को मिल रहे हैं, जहां बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया और समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की प्रक्रिया बाधित हो गई। हालात यह हैं कि किसान अपनी उपज लेकर खरीद केंद्र तक तो पहुंच रहे हैं, लेकिन गुणवत्ता मानकों पर खरी न उतरने के कारण उनकी फसल समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदी जा रही, जिससे क्षेत्र में चिंता और असमंजस का माहौल बना हुआ है। भारतीय खाद्य निगम के तहत

संचालित खरीद प्रक्रिया में किस्म निरीक्षक नरेश सोनी के अनुसार हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं के दाने फीके पड़ गए हैं और कई जगह दानों का रंग काला हो गया है, जिससे अधिकांश सैंपल निगम के निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। तुलाई होने के बावजूद खरीद पूरी नहीं हो पाई, जिससे किसान मायूस होकर लौटने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि इस गंभीर स्थिति को देखते हुए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है और केन्द्र सरकार की विभिन्न विभागीय टीमें मंगलवार व बुधवार को मंडावर खरीद केंद्र पर पहुंचकर नमी युक्त गेहूं के सैंपल लेकर गई हैं, जिनकी रिपोर्ट जल्द आने की संभावना है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए किसानों को उम्मीद है कि सरकार द्वारा नमी संबंधी मानकों में छूट दी जाएगी, जिससे बारिश में भीगी फसल को समर्थन मूल्य पर बेचने का रास्ता खुल सकेगा। इस दिशा में प्रयास भी तेज हुए हैं और जिला रसद अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नियमों में व्यावहारिक राहत देने की मांग की गई है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते मानकों में ढील नहीं मिली तो उन्हें अपनी उपज औने-पौने दामों में बेचनी पड़ेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ेगा और सरकारी योजनाओं का लाभ अधूरा रह जाएगा। इसी बीच राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जयपुर द्वारा रबी विपणन सीजन 2026-27 के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिसके तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की अवधि 16 मार्च 2026 से 30 जून के स्थान पर अब 31 मई 2026 तक निर्धारित कर दी गई है, वहीं किसान पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 मई 2026 तय की गई है। शेष दिशा-निर्देश यथावत रखते हुए यह आदेश सक्षम स्तर से अनुमोदित किया गया है, जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने का प्रयास किया गया है। मंडी में खड़े किसान अब आस लगाए बैठे हैं कि सरकार जल्द निर्णय लेकर उन्हें राहत दे, क्योंकि 'जब अन्नदाता ही संकट में हो, तो व्यवस्था की कसौटी भी वहीं तय होती है।' मंडावर की अनाज मंडी में यह संकट केवल खरीद प्रक्रिया का मुद्दा नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका और विश्वास से जुड़ा प्रश्न बन गया है, जहां समय पर निर्णय ही उनकी मेहनत को सही मूल्य दिला सकता है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से ईरान संग युद्धविराम पर की बात : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इजरायल ने भी इस फैसले का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की थी, जिसके बाद ईरान के साथ युद्धविराम ढांचे पर समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाया। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, 'राष्ट्रपति ने डील पक्की करने के लिए पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। उन्होंने युद्धविराम पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी बात की थी।' यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को रोकने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने से जुड़ी वार्ताओं के लिए दो सप्ताह का समय देने का निर्णय लिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह दो हफ्ते के लिए हमले रोक देंगे, बशर्ते ईरान इस अहम समुद्री रास्ते को पूरी तरह तुरंत और सुरक्षित तरीके से फिर से खोलने पर सहमत हो जाए। ईरान ने इस रोक को कुछ शर्तों के साथ मंजूरी दी और कहा कि अगर हमले रुक जाते हैं, तो वह भी अपनी गतिविधियां रोक देगा और इस दौरान स्ट्रेट से सीमित और सुरक्षित आवाजाही की इजाजत देगा। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल भी दो हफ्ते की इस रोक पर सहमत हो गया है। यह अमेरिका के रुख के मुताबिक ही है, क्योंकि हालात को स्थिर करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस युद्धविराम को सैन्य अभियानों के बाद अपनाई गई एक बड़ी रणनीति का हिस्सा बताया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह अमेरिका की जीत है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और हमारी शानदार सेना ने मुमकिन बनाया है।

ट्रंप के बेटे ने यूरोपीय संघ की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने बोस्निया के दौरे के दौरान यूरोपीय संघ की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप में बहुत सारी उदार और 'वोक' नीतियां निवेश को रोक रही हैं और यह यूरोपीय संघ के पूर्वी और पश्चिमी देशों के बीच बड़े मतभेद पैदा कर रही हैं। ट्रंप जूनियर ने कहा कि पूर्वी यूरोपीय देशों में कामकाजी मानसिकता अब भी बनी हुई है, जबकि पश्चिमी यूरोप राजनीतिक मामलों में भ्रमित है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप की इस स्थिति को सुधारने का तरीका है कि वे अपने रास्ते से हटें। उनका यह दौरा बोस्निया के सेर्ब रिपब्लिका स्र्स्का क्षेत्र में हुआ, जहां के नेताओं ने लंबे समय से अमेरिकी और रूसी नेताओं का समर्थन किया है। यह दौरा वहां की सेर्ब अलगाववादी राजनीति को भी समर्थन देने वाला माना गया।

बांग्लादेश में पहली महिला स्पीकर शर्मिन चौधरी ढाका से गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश संसद की पूर्व और पहली महिला स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी को राजधानी ढाका में गिरफ्तार कर लिया गया है। चौधरी को ढाका महानगर पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने लालबाग पुलिस स्टेशन में जन आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं से संबंधित एक मामले में गिरफ्तार किया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने कहा, उन्हें गिरफ्तार कर कार्यालय लाया गया और गहन पूछताछ की जा रही है। वह कई जगहों पर छिपी हुई थीं और हाल ही में वह धानमंडी में एक रिश्तेदार के घर पर रह रही थीं।

तनाव के बीच चीन पहुंचीं ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली वुन

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली-वुन छह दिवसीय दौर पर मंगलवार को शंघाई (चीन) पहुंचीं। वुन के साथ उनकी बीजिंग समर्थक पार्टी- चीनी कुओमिन्तांग (केएमटी) का एक प्रतिनिधिमंडल भी चीन की यात्रा पर है। इस यात्रा के दौरान वुन राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर जलडमरूमध्य में तनाव कम करने पर चर्चा करेंगी। वुन की चीन यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है।

किन्नर समाज का जागरण कल, व्यवस्था को दिया अंतिम रूप

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर, । यहां श्रीकल्याण धाम के पाटोत्सव के मौके पर 11 अप्रैल शुक्रवार को होने जा रहे किन्नर समाज के विराट भगवती जागरण को लेकर मंदिर परिसर में हुई मीटिंग में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया व कार्यकर्ताओं को व्यवस्थाएं सौंपी गई। कल्याण धाम व्यवस्थापक रवि प्रसाद शर्मा ने बताया कि कल्याण धाम के 109 वे स्थापना दिवस पर सनातन रत्न महंत विष्णु प्रसाद शर्मा के सानिध्य में किन्नर समाज द्वारा सवा किलो चांदी का छत्र चढ़ा कर मां भगवती का विशाल जागरण किया जायेगा जिसमें सुप्रसिद्ध गायकर बली मोहनबाड़ी, पूजा डोटासरा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी एवं गुड़गांव की टीम द्वारा झांकी सजाई जाएगी। जागरण मंडप दिल्ली की टीम द्वारा सजाया जायेगा। जागरण की तैयारी मीटिंग में गुरुवार को सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस मौके पर सुरेश पारीक, अक्षय सेन, यश अग्रवाल, विक्रम सिंह, राजीव शर्मा, किन्नर स्वीटी व लवली, योगेश शर्मा, अरुण राठौड़, विमल शर्मा, गोपाल पुजारी, अशोक शर्मा, विक्रम सैनी, मुकेश सैन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया से पहले बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान तेज

टोहाना के आईटी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी अक्षय तृतीया (19 अप्रैल) के मद्देनजर बाल विवाह की रोकथाम हेतु जिला में जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। विभाग को प्राप्त निर्देशों के तहत वीरवार को टोहाना के आईटीआई कॉलेज में महिला एवं सह-शिक्षा विंग में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को बाल विवाह निषेध कानून तथा इससे जुड़े प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने कहा कि आज भी समाज में बाल विवाह के मामले सामने आते रहते हैं, जो विशेष रूप से लड़कियों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को जैसे ही किसी बाल विवाह की सूचना मिलती है, तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की जाती है। साथ ही पंचायतों और जनप्रतिनिधियों को भी लगातार जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन 'अबूझ साया' होने के कारण बड़ी संख्या में विवाह होने की संभावना रहती है। ऐसे में जिले में किसी भी प्रकार के बाल विवाह को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सभी पंडितों, गुरुद्वारों के ग्रंथियों एवं अन्य धार्मिक प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे विवाह संपन्न करवाने से पहले लड़का-लड़की की आयु की पुष्टि अवश्य करें। लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़के की 21 वर्ष होना अनिवार्य है। रेखा अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि आयु प्रमाण के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र या दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र ही मान्य होगा, आधार कार्ड को वैध आयु प्रमाण नहीं माना जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि बाल विवाह की सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत अपने नजदीकी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सीडीपीओ कार्यालय, नजदीकी थाना या चौकी अथवा हेल्पलाइन नंबर 1098 या 112 पर सूचित करें। शिविर में प्रतिभागियों को घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 तथा दहेज निषेध अधिनियम के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर सुपरवाइजर पूजा, वरुणा सहित कॉलेज स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

सेवा की मशाल थामे नई टीम तैयार

अपना घर सेवा समिति मंडावर की कार्यकारिणी का गठन, दायित्व ग्रहण के साथ लिया समाज सेवा का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'दीप वही जो खुद जले औरों के लिए उजाला करे '–इसी भाव को साकार करते हुए कस्बे में अपना घर सेवा समिति मंडावर की नई कार्यकारिणी का गठन कर भव्य दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जहां सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत दृश्य देखने को मिला। अस्पताल रोड स्थित पंचायती धर्मशाला में आयोजित इस समारोह में नवगठित कार्यकारिणी ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लेते हुए निष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने की शपथ ली, तो पूरा वातावरण तालियों की गूंज से गूंज उठा और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश प्रसारित हुआ। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को गठित नई कार्यकारिणी में अनुभव और युवा जोश का संतुलित संगम देखने को मिला, जिसमें सर्वसम्मति से अशोक गर्ग, योगेश अग्रवाल, बनवारी लाल गोयल, अनिल मित्तल व श्याम सुंदर अग्रवाल को संरक्षक बनाया गया, वहीं महेश व सुरेंद्र मामोड़िया को उपाध्यक्ष, रमाकांत बंसल को सचिव, राजेश शर्मा को सहसचिव तथा संतोष अग्रवाल को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए नरेंद्र बंसल को मीडिया प्रभारी, नितेश गुप्ता को स्वास्थ्य प्रमुख, गिर्राज सोनी को गौ सेवा प्रमुख, राकेश जैन को पर्यावरण प्रमुख, राजेश मंगल को संपर्क प्रमुख, मोहन तिवाड़ी को यात्रा

प्रमुख, पुष्पेंद्र कट्टा को प्रचार-प्रसार प्रमुख, संजय कट्टा को शिक्षा प्रमुख तथा कल्पना गर्ग व सुनीता सिंहल को महिला प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। बुधवार को आयोजित दायित्व ग्रहण समारोह राउमावि (पेच स्कूल) के प्रधानाचार्य रामगोपाल सोनी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जहां नवपदाधिकारियों का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया और उन्हें समिति के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने का दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसने आयोजन को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। इस दौरान अपना घर सेवा समिति भरतपुर के संस्थापक डॉ. बीएम भारद्वाज आवश्यक कारणों से उपस्थित नहीं हो सके, किन्तु उनकी अनुपस्थिति में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद माधुरी भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में सेवा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि 'जहां सेवा है, वहीं सच्चा समाज है,' और नई टीम को निस्वार्थ भाव से कार्य कर समाज के कमजोर वर्गों के लिए संबल बनने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में भरतपुर से पधारी राष्ट्रीय संयोजक कुसुमलता ने संगठन विस्तार पर जोर देते हुए महिला व पुरुष दोनों वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए और आगामी 12 अप्रैल को भरतपुर में प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यकारिणी दायित्व ग्रहण समारोह में मंडावर से अधिकाधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। समारोह में राष्ट्रीय सचिव विनोद सिंहल, क्षेत्रीय संयोजक हरिसिंह महवा व मनीराम धाकड़ तथा स्थानीय संयोजक मुकेश गोयल की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक सशक्त बनाया।

इस अवसर पर मंडावर अध्यक्ष राजेन्द्र बूसर, खंडेलवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल झालानी, बालमुकुन्द शर्मा, त्रिपुरारी लाल ठाकुरिया, प्रदीप सैनी, विजय झालानी, सुरेशचंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एसडीएम आकाश शर्मा ने समाधान शिविर में सुनी जनसमस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित, प्रभावी एवं समयबद्ध निवारण के निर्देश दिए। समाधान शिविर में आए आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की। समाधान शिविर में कुल चार आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से तीन आवेदन परिवार पहचान पत्र में त्रुटि दुरुस्त करने से संबंधित थे, जबकि एक आवेदन बिजली विभाग से संबंधित था। एसडीएम ने सभी मामलों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को अग्रेषित करते हुए तय समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के निवारण में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से शासन और जनता के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित हुआ है, जिससे समस्याओं के समाधान में पारदर्शिता और गति आई है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों को किसी भी स्थिति में लंबित न रखा जाए और प्रत्येक प्रकरण का स्थायी समाधान निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपनी विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविरों का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि ये शिविर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं, जहां प्रशासन की पूरी टीम जनसेवा के लिए तत्पर रहती है।

थाना शहर टोहाना की कार्यवाही: हेरोइन तस्करी में मुख्य सप्लायर काबू

6.15 ग्राम हेरोइन बरामद, मुख्य सप्लायर को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने हेरोइन बरामदगी के मामले में मुख्य सप्लायर अक्षय पुत्र मुकेश निवासी वार्ड नंबर 02, राज नगर टोहाना को काबू कर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले इसी मामले में एक आरोपी सावन उर्फ बिट्टू पुत्र गुरवंत सिंह निवासी वार्ड नंबर 02, राज नगर टोहाना को काबू किया गया था, जिसके कब्जे से 6.15 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी।थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि दिनांक 15.01.2026 को पुलिस टीम गश्त और अपराध रोकथाम के दौरान इंडस्ट्रियल एरिया, इंदिरा कॉलोनी रोड टोहाना में मौजूद थी। सूचना के आधार पर शक के युवक को काबू किया गया और तलाशी में हेरोइन बरामद हुई।मामले में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 26 दिनांक 15.01.2026, धारा 21B, 61, 85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान मुख्य सप्लायर अक्षय की संलिप्तता सामने आने पर उसे भी काबू किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगामी जांच जारी है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर बोहरा ग्लोबल स्कूल में लगा स्वास्थ्य व दंत जांच शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'पहला सुख निरोगी काया '–इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए द बोहराज ग्लोबल स्कूल, महवा में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए विशेष स्वास्थ्य एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया, जहां नन्हें विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच कर उन्हें स्वस्थ जीवन की राह दिखाने का सार्थक प्रयास किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस शिविर में उत्साह और जागरूकता का ऐसा संगम देखने को मिला, मानो स्वास्थ्य के प्रति सजग समाज की नींव रखी जा रही हो। शिविर में डॉ.

के.आर. मीणा द्वारा विद्यार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें ऊंचाई, वजन, आंखों की जांच सहित अन्य आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिए गए, वहीं डॉ. राकेश अवस्थी की दंत चिकित्सक टीम ने बच्चों के दांतों की गहन जांच करते हुए कैविटी, मसूड़ों की समस्या और दांतों की स्वच्छता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। चिकित्सकों ने बच्चों को प्रतिदिन नियमित रूप से ब्रश करने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए स्पष्ट किया कि 'सेहत ही असली दौलत है, इसे संजोना ही समझदारी है।' शिविर के दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और खानपान में पोषण का संतुलन बनाए रखने के महत्व से भी अवगत कराया गया, जिससे बाल्यावस्था में ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित हो सके। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल को विद्यार्थियों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम बताते हुए चिकित्सकों की टीम का आभार व्यक्त किया।

विश्व होम्योपैथी दिवस आज: होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति दुष्प्रभाव रहित: चिकित्साधिकारी डॉ. डांगी

भीम प्रज्ञा विशेष दिवस।

आज का दिन विश्व होम्योपैथी दिवस के रूप मे दुनिया भर मे मनाया जा रहा है। 10 अप्रैल 1755 को होम्योपैथी के जनक व महान व्यक्तित्व के धनी डॉ. क्रिस्चियन फेड्रिंक सेमुअल हेनीमनका जन्म जर्मनी मे हुआ था।राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. सन्दीप डांगी नें बताया की होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति दुष्प्रभाव रहित है और दवा लेने मे सुगम होने व सभी बीमारियों मे कारगर होने की वजह से तेजी से अपनायी जाने वाली चिकित्सा पद्धति के रूप मे उभरकर सामने आ रही है 7 डब्ल्यूएचओ के अनुसार होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति लोगो द्वारा अपनायी जाने वाली विश्व की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति है 7होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगो मे कई भ्रान्तिया भी है जिसके बारे डॉ. सन्दीप नें जवाब दिए 7

सवाल :- क्या होम्योपैथी का असर धीमे होता है? -

जवाब:- होम्योपैथिक दवाओं के असर करने का समय कई कारकों पर निर्भर करता है। अगर रोग की हाल ही में उत्पत्ति हुई है तो इलाज कम समय में ही पूरा किया जा सकता है। ऐसे में, अगर दवा का चयन, प्रभावशीलता एवं पुनरावृत्ति का समय सही हो तो होम्योपैथिक दवाएं जल्द असर करती हैं। जीर्ण रोग के मामलों में, रोग का पूरा इलाज होने में अधिक समय लगता है। अगर दवाई का चयन सही हुआ हो तो यह रोग का शमन करने के बजाए उसे स्थायी और पूरी तरह से मिटा देता है जिसके लिए स्वाभाविक तौर पर ज्यादा समय लगता है। साथ ही, अगर रोगी द्वारा आहार और आदतों आदि को नियंत्रित करने में लापरवाही की जाती है तो उपचार की अवधि लंबे समय तक रहने की संभावना है।

सवाल :-क्या होम्योपैथी पहले रोग को बढ़ा देता है?

जवाब :-होम्योपैथिक दवाओं के सेवन के उपरांत कई बार असामान्य स्थिति में रोगी उनके रोग में तीव्रता आने की शिकायत करते हैं। इसके दो कारण हो सकते हैं। प्रथमतः अगर रोगी ने होम्योपैथिक दवाओं से पूर्व गैर-होम्योपैथिक दवाओं द्वारा इलाज करवाया है तो गैर-होम्योपैथिक दवाओं के असर से संभवतः रोग का शमन हो गया हो जो होम्योपैथिक दवाओं के सेवन से दोबारा उभर आता है। ऐसी स्थिति में ज्यादातर रोगी होम्योपैथी को ही दोष देते हैं। इसके अलावा, अगर रोगी के लिए ऐसी होम्योपैथिक दवाओं का

डॉ. सन्दीप डांगी चिकित्सा अधिकारी होम्योपैथी राजकीय अजीत उप जिला अस्पताल, खेतड़ी

चयन किया गया हो जो थोड़ी अधिक प्रभाव (आवश्यकता से अधिक) की हो या रोगी अत्यंत अनुभुत हो तो इस स्थिति में भी रोगी के मौजूदा लक्षणों की क्षणिक तीव्रता देखी जा सकती है। परंतु यह तीव्रता ज्यादा देर तक नहीं रहती।

सवालः-क्या यह सच है कि होम्योपैथिक इलाज के दौरान चाय, प्याज, लहसुन आदि का सेवन करना मना होता है?

जवाब :-नहीं यह सच नहीं है, होम्योपैथिक इलाज के दौरान प्याज, लहसुन, चाय, कॉफी, पान इत्यादि का सेवन करना मना नहीं होता है। परंतु ऐसे खाद्य पदार्थ जो किसी विशेष दवा के प्रभाव को रोकते हैं उनसे परहेज़ करना चाहिए। जैसे कि चाय एवं कच्चा प्याज का सेवन थूजा के प्रभाव को रोकता है, कॉफी का सेवन सोरिनम के प्रभाव को रोकता है तथा कपूर का इस्तेमाल विभिन्न होम्योपैथिक दवाओं के प्रभाव को कम करता है या रोकता है। इसलिये इन खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल इलाज के दौरान मना किया जाता है जो रोग के आधार पर निर्धारित होता है।

सवाल :-क्या मधुमेह के रोगी ऐसी होम्योपैथिक दवाओं का सेवन कर सकते हैं जिसमें चीनी होती है?

जवाब :-हाँ, मधुमेह के रोगी चीनी युक्त होम्योपैथिक दवाओं का सेवन कर सकते हैं क्योंकि इन दवाओं में चीनी की मात्रा बहुत कम होती है। जरूरत अनुसार, यह दवाइयां आसुत जल के साथ भी ली जा सकती हैं।

सवाल :-क्या होम्योपैथिक दवाइयों की समाप्ति तिथि होती है?

जवाब :-होम्योपैथिक दवाइयों की कोई समाप्ति तिथि नहीं होती है। परंतु जब औषधीय गोलियों का रंग सफ़ेद रंग से बदलने लगता है तब उसे इस्तेमाल न करने की सलाह दी जाती है। अगर दवा तरल रूप में है तो उसमें रंग के बदलाव अथवा अवसादों का पता लगने पर दवा का इस्तेमाल न करने की सलाह दी जाती है। कई होम्योपैथिक दवा अल्कोहल में बनाई जाती हैं इसलिये उनकी समय के साथ तेज गंध धीमी हो जाती है जिससे कई रोगियों को यह प्रतीत होता है कि उस दावा का असर कम हो गया है परंतु ऐसा नहीं है, गंध धीमी होने के उपरांत भी वह उतनी ही प्रभावशाली रहती हैं जितनी पहले थीं। हालांकि, होम्योपैथिक दवाओं को शुष्क, ठंडी, ढ़के हुए स्थान पर सूर्य की किरणों से तथा तेज गंध वाले पदार्थों से दूर संग्रहीत करने की सलाह दी जाती है।

सवाल :-क्या आपातकालीन स्थिति में कोई और दवा ली जा सकती है?

जवाब :-अगर ऐसे रोगी के साथ आपातकालीन स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसका होम्योपैथिक इलाज चल रहा है तो रोगी स्थिति अनुसार गैर-होम्योपैथिक दावा का सेवन कर सकता है। आपातकलीन स्थिति के उपरांत वह अपने चिकित्सक से परामर्श कर दोबारा होम्योपैथिक दावा का सेवन शुरू कर सकते है।

सवाल :-क्या होम्योपैथी द्वारा सभी रोगों का इलाज किया जा सकता है?

जवाब :-चिकित्सा की किसी भी अन्य प्रणाली की तरह, होम्योपैथी की भी अपनी सीमाएँ हैं। होम्योपैथी द्वारा विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज किया जा सकता है सिर्फ ऐसे मामलों के सिवाए जिसमें शल्य-चिकित्सा की आवश्यकता है। इसके अलावा, कुछ तथा-कथित शल्य-चिकित्सीय रोग जैसे कि बढ़े हुए टॉन्सिल, किडनी स्टोन, बवासीर, गर्भाशय के ट्यूमर इत्यादि का भी होम्योपैथी द्वारा इलाज किया जा सकता है।

सवाल :-क्या होम्योपैथिक दवाइयों के कोई दुष्प्रभाव हैं?

जवाब :-होम्योपैथिक दवाइयों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। 'दुष्प्रभाव' शब्द आधुनिक औषध विज्ञान से उत्पन्न हुआ है। होम्योपैथिक दवाइयाँ शरीर के कुछ निश्चित क्षेत्रों के लिए लक्षित नहीं होती हैं बल्कि दवाई को रोगी के लक्षणों की समग्रता के आधार पर चुना जाता है और यह रोगियों को संपूर्ण रूप से लक्षित करती हैं। इसलिये होम्योपैथिक इलाज के दुष्प्रभाव नहीं होते। होम्योपैथी एक समग्र (ह्रश्यद्बह्यह्लद्ब्र) चिकित्सा पद्धति है, जिसकी खोज 18वीं शताब्दी में डॉ. सैमुअल हैनिमैन ने की थी। यह 'समरूपता का नियम' पर आधारित है, यानी जो पदार्थ स्वस्थ शरीर में बीमारी के लक्षण पैदा कर सकता है, वही अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में उस बीमारी को ठीक कर सकता है। यह पद्धति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को ध्यान में रखकर इलाज करती है, और आमतौर पर सुरक्षित मानी जाती है।

होम्योपैथी के मुख्य सिद्धांतः - समरूपता का सिद्धांत (स्ड्ड2 श्रद्ध स्ह्वद्वद्बद्यड्डह्लह्य): रोग के लक्षणों को उन पदार्थों द्वारा ठीक किया जाता है जो स्वस्थ व्यक्ति में समान लक्षण पैदा करते हैं।

न्यूनतम खुराकः दवाओं का उपयोग बहुत कम या सूक्ष्म मात्रा में किया जाता है, जिससे दुष्प्रभाव न के बराबर होते हैं।

व्यक्तिगत उपचार होम्योपैथी में रोग का नहीं, बल्कि रोगी का उपचार होता है। हर व्यक्ति के लिए दवा उसकी प्रकृति के अनुसार अलग हो सकती है।

होम्योपैथी के लाभ और उपयोगः

सुरक्षितः होम्योपैथिक दवाएं प्राकृतिक स्रोतों से बनती हैं और इनके साइड इफेक्ट्स नहीं के बराबर होते हैं।

पुरानी बीमारियों में सहायकः यह एलर्जी, त्वचा रोग, श्वसन संबंधी समस्याओं, जोड़ों के दर्द और मानसिक तनाव जैसी पुरानी स्थितियों में कारगर हो सकती है।

प्रतिरोधक क्षमताः यह शरीर की स्वयं की उपचार क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से लड़ने में मदद करती है।

17 वर्षीय दृष्टिबाधित भारतीय तैराक ने

रचा इतिहास

● 11 घंटे 15 मिनट में तय की 38 किलोमीटर की यात्रा

नागपुर (एजेंसी)। कहते हैं कि दृढ़ संकल्प एक ऐसी शांत शक्ति है जो बाधाओं को मील के पत्थरों में बदल देती है और असंभव को संभव बना देती है. नागपुर की 17 वर्षीय दृष्टिबाधित तैराक ईश्वरी पांडे ने पाक स्ट्रैट को तैरकर सफलतापूर्वक पार करके इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है. वह दुनिया की पहली ऐसी दृष्टिबाधित तैराक बन गई हैं जिन्होंने यह कारनामा कर दिखाया है।

11 घंटे 15 मिनट तक तैरना

जन्म से ही दृष्टिबाधित ईश्वरी ने श्रीलंका के तलाईमन्नार से अपनी तैराकी शुरू की और भारत के धनुषकोडी (तमिलनाडु) तक की 38 किलोमीटर की यात्रा 11 घंटे 15 मिनट में पूरी की. उन्होंने 6 अप्रैल को सुबह करीब 4:00 बजे उरमालाई पॉइंट के पास पानी में प्रवेश किया और 7 अप्रैल की दोपहर 3:15 बजे धनुषकोडी स्थित अरिचलमुनाई पहुंचीं।

कई प्रकार की चुनौतियों का किया सामना– इस अभियान को पूरा करने के लिए उन्हें समुद्र की तेज धाराओं, बदलते ज्वार-भाटा, भारी बारिश और तेज हवाओं का सामना करना पड़ा. उन्होंने जेलीफिश और शार्क जैसे खतरनाक समुद्री जीवों के बीच से भी रास्ता बनाया, जो इस उपलब्धि को और भी अधिक उल्लेखनीय बनाता है।

2026 में सबसे लंबे छक्के मारने वाले टॉप-5 बल्लेबाज

लिस्ट में आरसीबी का जलवा जारी

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 14वां मैच आज दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच खेला जाना है. हर मैच में छक्कों की बरसात होती है. पिछले ही मैच में कुल 15 छक्के लगे थे. जिसमें मुंबई और राजस्थान आमने सामने थे. इससे पहले आरसीबी और सीएसके के मैच में कुल 30 छक्के लगे थे. इस मैच में कुल 14 अलग-अलग बल्लेबाजों ने कम से कम एक-एक छक्का लगाया।

जिसके बाद फैंस के मन में अब ये सवाल उठ रहे हैं कि अब खेले गए मैच में सबसे लंबा छक्का किस बल्लेबाज ने लगाया है? इसलिये इस प्रश्न का जवाब देने के लिए हम इस कॉपी में उन पांच बल्लेबाज के बारे में बताने वाले हैं, जो अब तक सबसे लंबे छक्के लगाने वालों की सूची में शामिल हैं।

आईपीएल 2026 का सबसे लंबा छक्का– आईपीएल 2026 में खेले गए अब तक के मैचों में सबसे लंबा छक्का मारने का नाम आरसीबी के टिम डेविड के नाम है. उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 5 मार्च को 106 मीटर लंबा छक्का जड़ा था, जो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर चला गया था. उसके बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स के कूपर कोनोली हैं. उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 103 मीटर का गगनचुंबी छक्का जड़ा था. तीसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के अनिकेत वर्मा हैं. उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 100 मीटर का सिक्स जड़ा था. लिस्ट में चौथे और पांचवें नंबर पर आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार हैं. जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 94 और 92 मीटर का छक्का जड़ा था। बता दें कि आईपीएल 2026 के पॉइंट्स टेबल में अभी राजस्थान रॉयल्स 3 मैच में से तीन जीत के साथ टॉप पर है. पंजाब तीन मैच में दो जीत और एक मैच रद्द होने से 5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है. जबकि आरसीबी दो मैच में दो जीत के साथ 4 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है. वहीं ऑरेंज कैप यशस्वी जायसवाल के नाम है।

टॉप-5 बल्लेबाज

1- टिम डेविड (आरसीबी) 106 मीटर
2- कूपर कोनली (पीबीकेएस) 103 मीटर
3- अनिकेत वर्मा (एसआरएच) 100 मीटर
4- रजत पाटीदार (आरसीबी) 94 मीटर
5- रजत पाटीदार (आरसीबी) 92 मीटर

सीएम धामी ने किया 25वीं एआईपीडब्ल्यूएससी प्रतियोगिता का वर्चुअली शुभारंभ

440 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

19 टीमों ले रही हिस्सा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पहली बार 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर चैंपियनशिप का शंखनाद हो गया। बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी गढ़वाल के वाटर स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर इंस्टीट्यूट में आयोजित इस प्रतियोगिता का वर्चुअली उद्घाटन किया। इस मौके पर सीएम ने देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए पुलिस व अर्धसैनिक बलों के खिलाड़ियों और अधिकारियों का देवभूमि में स्वागत किया।

राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन से साबित हुआ, हम तैयार हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में अब खेल संस्कृति मजबूत हो रही है।

उन्होंने याद दिलाया कि उत्तराखंड ने हाल ही में 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन किया है। इससे स्पष्ट है कि देवभूमि अब 'खेलभूमि' के रूप में भी तेजी से उभर रही है। राज्य में आधुनिक खेल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है ताकि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकें।

राज्य को पहली बार मिली मेजबानी

19 टीमों के 440 से ज्यादा खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

चैंपियनशिप में देशभर की 19 टीमों के 440 से ज्यादा महिला और पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। ये खिलाड़ी कैनोइंग, रोइंग और कयाकिंग की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। सीएम धामी ने अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड का आभार जताते हुए कहा कि यह उत्तराखंड के लिए बेहद गर्व का विषय है कि राज्य को पहली बार इस राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी मिली है। ऐसे आयोजनों से राज्य को साहसिक खेलों (एडवेंचर स्पोर्ट्स) और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी।

कार्यक्रम में इनकी रही मौजूदगी

उद्घाटन के इस खास अवसर पर टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष (टिहरी) इशिता सजवान, नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, विशेष प्रमुख सचिव (खेल) अमित सिन्हा, एडीजी आईटीबीपी संजय गुंज्याल, आईजी (नॉर्दन फ्रंटियर आईटीबीपी) मनु महाराज, आईजी (सीआरपीएफ) दिनेश उनियाल, आईजी (आईटीबीपी एकेडमी) गिरीश चंद्र उपाध्याय, जिलाधिकारी नीतिका खण्डेलवाल और एसएसपी श्वेता चौबे समेत कई अधिकारी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।0

आपदा प्रबंधन और रेस्क्यू में मददगार हैं वाटर स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और जनता का विश्वास बनाए रखने में हमारे जवानों की अहम भूमिका होती है, इसलिए उनका शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहना जरूरी है। खेल न केवल फिटनेस बढ़ाते हैं, बल्कि अनुशासन और मुश्किल हालात में काम करने की क्षमता भी विकसित करते हैं। सीएम ने एक अहम बात यह भी कही कि वाटर स्पोर्ट्स जैसे खेल आपदा प्रबंधन, बाढ़ राहत, नदी बचाव और तटीय सुरक्षा में काफी उपयोगी साबित होते हैं। इन खेलों की दक्षता आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक बनती है।

हार पर हार्दिक ने कहा हम गेंदबाजों के कारण हारे

वैभव के खेल में निडरता दिखती है

गुवाहाटी (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने राजस्थान रॉयल्स से मिली 27 रनों की हार की जिम्मेदारी गेंदबाजों पर डाल दी. मैच के बाद उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने राजस्थान रॉयल्स के ओपनर्स को खुलकर खेलने का मौका दिया, जिसकी बदौलत राजस्थान ने गुवाहाटी में बारिश से प्रभावित 11-11 ओवर के मैच में 150/3 का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया. जवाब में मुंबई की टीम 11 ओवर में 123/9 रन ही बना सकी।

'मैं बल्लेबाजी पर दोष नहीं डालूंगा'

मैच के बाद की प्रस्तुति में पांड्या ने कहा, 'हमने वैसी गेंदें नहीं डालीं जैसी हमें डालनी चाहिए थीं. उन्होंने (राजस्थान) बहुत अच्छा खेला. गेंदबाजों को जिम्मेदारी लेनी होगी. एक गेंदबाजी ग्रुप के तौर पर, हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं बल्लेबाजी पर दोष नहीं डालूंगा. निश्चित रूप से यह गेंदबाजी यूनिट की गलती थी, जिसे जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी. बात हमेशा अच्छी गेंदें डालने की होती है. अगर हमने सही गेंदें डाली होती, तो हम मैच में बने रहते. उनके ओपनर्स ने हमें हमारे खेल से भटका दिया और हम बस उनके पीछे-पीछे भागते रह गए और मैच में पिछड़ गए।' राजस्थान रॉयल्स के टीनएज बैटिंग सेंसेशन, वैभव सूर्यवंशी के बारे में पूछे जाने पर पांड्या ने कहा, '17 या 16 साल के लड़के (वैभव) को इस तरह खेलते देखना काफी दिलचस्प है. जिस तरह से वह बैटिंग करता है, उसमें जो निडरता है, उसे देखना कमाल का है. मैं उसके भविष्य के लिए उसे शुभकामनाएं देता हूं।'

हार्दिक पांड्या द्वारा पहले फील्डिंग चुनने के बाद, मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी यूनिट परिस्थितियों का फायदा उठाने में नाकाम रही. जिसका नतीजा ये निकला कि राजस्थान के यशस्वी जायसवाल (32 गेंदों पर 77 रन नाबाद) और वैभव सूर्यवंशी (14 गेंदों पर 39 रन) ने छक्कों की बारिश कर दी और 3.2 ओवर के पावर-प्ले में ही 56 रन ठोक डाले।

हाई एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे

टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

पहली बार साथ आएंगे टाइगर और सुनील

वैरायटी इंडिया के मुताबिक पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने-अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ-टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। फिल्म को एक फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट किरदार

किरदार के लिए थे 1200 दावेदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया। फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो। मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज

मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं,

क्या एक्शन और कॉमेडी फिल्में बनाकर पछता रहे हैं रोहित

निर्देशक रोहित शेट्टी ने 'सिंघम' फ्रेंचाईजी, 'सूर्यवंशी' और 'सिंबा' जैसी एक्शन फिल्में बनाई हैं, जो दर्शकों के बीच खूब पसंद की गई हैं। इसके अलावा उन्होंने 'गोलमाल' सीरीज, 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'बोल बच्चन' जैसी कॉमेडी फिल्मों की सौगात भी दी है। मगर, रोहित शेट्टी का कहना है कि एक्शन और कॉमेडी फिल्में बनाने के बाद उनकी लाइफ में ही एक्शन और कॉमेडी आ गई है।

जिंदगी में एक्शन और कॉमेडी चल रही

रोहित शेट्टी ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी एक फोटो साझा की है, जिसमें वे ब्लैक टीशर्ट में नजर आ रहे हैं। काला चश्मा लगाए रोहित पोज दे रहे हैं। उनके कैप्शन ने ध्यान खींचा है। निर्देशक ने लिखा है, 'इतने साल एक्शन और कॉमेडी फिल्में बनाने में बिताए। अब साला जिंदगी में ही एक्शन और कॉमेडी चल रही है'। रोहित शेट्टी के इस पोस्ट पर नेटिजंस के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं। कुछ यूजर्स उन्हें सुझाव दे रहे हैं तो कुछ सवाल कर रहे हैं। अधिकांश नेटिजंस की दिलचस्पी यह जानने में है कि 'खतरों के खिलाड़ी' का अगला सीजन कब आएगा? एक यूजर ने लिखा, 'जिंदगी का मतलब ही एक्शन और ड्रामा है। इसलिए आप 'सिंबा' बनो। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'गोलमाल 5' से सब बदल जाएगा। एक यूजर ने लिखा, 'चिंता मत करिए, धांसू कमबैक होने वाला है'।

एकता ने बताई 'भूत बंगला' के टलने की असली वजह

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी।

मुझे एयरोफोबिया है और मैं थेरेपी लेने पर विचार कर रहा हूं

टाइगर श्रॉफ की गिनती इंडस्ट्री के एक्शन एक्टर्स में से होती है। वो जबरदस्त स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब टाइगर ने भी अपने एक डर के बारे में बात की, जो उनकी ऑन-स्क्रीन इमेज से बिलकुल अलग है। टाइगर का मानना है कि असल जिंदगी में उन्हें इस एक काम से बहुत डर लगता है और वो इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने की भी सोच रहे हैं।
बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने खुलासा किया कि उन्हें एयरोफोबिया है। एक्टर ने बताया कि उन्हें हवाई यात्रा से डर लगता है और वे इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं दरअसल एक थेरेपिस्ट के पास जाने की योजना बना रहा हूं, क्योंकि मुझे एयरोफोबिया है। कुछ साल पहले मैं एक बहुत ही टर्बुलेंट फ्लाइट में था और टर्बुलेंट फ्लाइट पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं होता, है ना? मैं क्या करूं? तब से, जब भी मुझे फ्लाइट में चढ़ना होता है, तो मुझे कुछ दिन पहले से ही घबराहट होने लगती है। पता नहीं क्यों, मैं अभी तक इससे उबर नहीं पाया हूं।
हालांकि, टाइगर ने माना किया हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि हवाई यात्रा परिवहन का सबसे सुरक्षित साधन है। मैंने कई पायलटों से बात की है, जिन्होंने कहा कि टर्बुलेंस कुछ और नहीं बल्कि ऊबड़-खाबड़ सड़कों जैसी होती है। वे मुझे यही उदाहरण देते रहते हैं। लेकिन मेरे दिमाग को यह कौन समझाएगा? जब ऐसा होता है, तो कहानी बिल्कुल अलग होती है। काश, मेरा इस पर कंट्रोल होता। मुझे अपने शरीर के हर हिस्से को कंट्रोल करना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि मैं क्या कर रहा हूं।
अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि अत्यधिक सोचने की आदत उनके जीवन के अन्य पहलुओं पर भी असर डालती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी यह बहुत निराशाजनक होता है, क्योंकि मैं कई बार बहुत कन्फ्यूज हो जाता हूं और कोई भी फैसला नहीं ले पाता। यहां तक कि अपने दिन की योजना बनाने को लेकर भी ताकि मैं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकूं।

आज भी 'खल्लास गर्ल' कहे जाने पर खुशी होती है

ईशा कोप्पिकर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। इस हसीन एक्ट्रेस को लोग आज भी 'खल्लास गर्ल' के नामे से पहचानते हैं। ईशा कोप्पिकर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1997 में तेलुगू फिल्म से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल सिनेमा और बॉलीवुड में भी खूब काम किया। ईशा ने बीच में फिल्मों से ब्रेक लिया था, पर अब वह फिर से एक्टिव हैं। साल 2024 में वह तमिल फिल्म 'ऐलान' में नजर आईं और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं। बीते दिनों जब एक इवेंट में ईशा कोप्पिकर पहुंचीं तो मंच पर आते ही सभी ने 'खल्लास गर्ल' का शोर मचाना शुरू कर दिया। अपनी वही पुरानी मुस्कान के साथ ईशा ने कहा, 'सच कहूं तो, यह सुनकर आज भी बहुत खुशी होती है। खल्लास गाना (2002) हर किसी के लिए एक यादगार पल था। जब यह रिलीज हुआ था, तब लोगों की दीवानगी देखने लायक थी। आज भी लोग मुझे देखकर खल्लास गर्ल कहकर बुलाते हैं। हर कलाकार को ऐसा प्यार नहीं मिलता, इसलिए यह मेरे लिए गर्व की बात है।'

बदलाव लाने के लिए राजनीति में आई

एक समय ईशा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। 2019 में राजनीति से जुड़ने के सवाल पर ईशा ने कहा, 'मेरा मकसद ग्लैमर या पावर पाना नहीं था, बल्कि समाज में योगदान देना था। मैं महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना चाहती थी। आज भी मैं सक्रिय हूं और आसपास की चीजों पर नजर रखती हूं। भविष्य में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन मैं स्पष्ट तौर पर यह कह सकती हूं कि मेरी नीयत साफ है।'

मुश्किल वक्त ही आपका शिक्षक होता है

ईशा का मानना है कि मुश्किलें ही इंसान को गढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मुश्किल दौर आपको किसी भी गुरू या किताब से ज्यादा सिखाता है। मेरे करियर और जीवन में ऐसे कई दौर आए, जब चीजें आसान नहीं थीं और मुझे अपनी जगह बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्हीं पलों ने मुझे मजबूती और एक स्पष्ट सोच दी। आज मैं जो कुछ भी हूं, अपने संघर्षों की वजह से ही हूं। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाएं सिर्फ मुश्किलों से बचती नहीं हैं, बल्कि उनसे लड़कर खुद को बदल लेती हैं।'

ओटीटी पर मिलती है काम करने की आजादी

ईशा कोप्पिकर का कहना है कि ओटीटी कलाकारों के लिए आजादी लेकर आया है। साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकीं ईशा कहती हैं, 'हर प्लेटफॉर्म ने मुझे कुछ नया सिखाया है। साउथ इंडियन फिल्मों में अनुशासन और काम के प्रति समर्पण कमाल का है। बॉलीवुड ने मुझे पहचान और शोहरत दी। वहीं, ओटीटी पर कंटेंट बहुत बेबाक है। यहां आप किसी तरह की समयसीमा में बंधे बिना, असल और मुश्किल कहानियां दिखा सकते हैं। एक कलाकार के तौर पर यह आजादी बहुत मायने रखती है।'

रामायण में भगवान परशुराम के रोल में भी दिखेंगे रणबीर

एक्टर रणबीर कपूर ने कन्फर्म किया है कि वह फिल्म रामायण में भगवान राम के साथ भगवान परशुराम के किरदार में भी दिखेंगे। इंटरव्यू में जब रणबीर से सवाल पूछा गया कि वह भगवान राम और परशुराम जैसे दो अलग-अलग स्वभाव वाले किरदारों को बॉडी लैंग्वेज और आवाज से कैसे अलग दिखा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के कई अवतार रहे हैं, जिनमें भगवान राम एक अवतार हैं, जबकि उनसे पहले भगवान परशुराम भी अवतार थे। रणबीर ने कहा कि भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिलना ही बड़ी बात थी, लेकिन साथ ही भगवान परशुराम का रोल निभाना उनके लिए और भी खास अनुभव

रहा। उन्होंने आगे कहा कि एक एक्टर के रूप में केवल बॉडी लैंग्वेज ही नहीं, बल्कि रोल की आध्यात्मिकता और उसकी भावनाओं को गहराई से समझना जरूरी होता है। उनका मानना है कि एक्टिंग की शुरुआत यहीं से होती है। रणबीर ने यह भी कहा कि फिल्म रामायण की शूटिंग से पहले उन्होंने पूरे एक साल तक इन किरदारों को समझने पर काम किया।

ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में होंगी शामिल

फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से बॉलीवुड और साउथ में अपना नाम कमाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर इंडिया को प्रस्तुत करने वाली हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। खबर है कि वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह बड़ा इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं। रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

एनीमे लवर्स को साथ लाने वाला प्लेटफॉर्म

बता दें कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है। रश्मिका का एनीमे और जापान से खास कनेक्शन भी रहा है। 2024 में पहली बार जापान जाने का उनका सपना पूरा हुआ था और तब उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के सबसे खास पलों में से एक बताया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका 'रणबाली' और 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है

अभिषेक बच्चन के बॉलीवुड करियर को 26 साल हो चुके हैं। अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। लेकिन वह ऐसे परिवार में आते हैं, जहां तीन बड़े नामी स्टार मौजूद हैं। पिता अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं। मां जया बच्चन एक उम्दा अभिनेत्री रही हैं। वहीं पत्नी ऐश्वर्या विश्व सुंदरी और बॉलीवुड की सबसे हिट एक्ट्रेस में शामिल रही हैं। अक्सर ही अभिषेक बच्चन के करियर की तुलना उनकी पत्नी के करियर से होती है। हाल ही में इस मुद्दे पर अभिषेक ने फिर मन की बात कही है। अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि शादी के बाद ज्यादा सफल पार्टनर के साथ रहने पर कुछ लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। इस पर अभिषेक कहते हैं, 'मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो सिर्फ इसलिए जीतना चाहता हो क्योंकि किसी और ने हार मान ली। मुझे बचपन से यही सिखाया गया है कि आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है।' वह आगे कहते हैं, 'मेरी सोच ऐसी ही है। मैं किसी ऐसी पार्टनरशिप या शादी में नहीं रहना चाहता हूं, जहां मेरी पत्नी को कोई काम करना इसलिए बंद करना पड़े क्योंकि मुझे खुद को ज्यादा मर्द जैसा महसूस कराना है। शुक्र है कि मेरी पत्नी भी ऐसी ही है, जो इस तरह से नहीं सोचती हैं।'

हॉलीवुड सीरीज में नजर आएंगी सनी लियोनी

सनी लियोनी हाल ही में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस पर पॉजिटिव रिव्यू मिलने के बाद वह हॉलीवुड प्रोजेक्ट की ओर चल पड़ी हैं। इस एक्ट्रेस ने हॉलीवुड सीरीज द जाइंट की कास्ट को जॉइन कर लिया है। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। प्रोजेक्ट को लेकर सनी लियोनी ने कहा, यह मेरे पहले किए गए काम से बहुत अलग है। उन्होंने आगे कहा पूरी तरह से एक नई दुनिया में कदम रखना मेरे लिए हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है। वह बोलीं मैं इस सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। इस सीरीज में अभिनेत्री थोड़ा अलग रोल कर रही हैं। सनी लियोनी इसमें रिजर्वेशन शेरिफ क्वानाह डियरलीफ के किरदार में होंगी। सीरीज की कास्टिंग में थोड़ी विविधता है। इसमें लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई मूल के एक्टर्स शामिल होंगे।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं, स्क्रीन का मामला था

पहले अदिवि शेष अभिनीत 'डकैत' फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ रिलीज होने वाली थी। लेकिन इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। अब 10 अप्रैल को यह फिल्म रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अदिवि शेष ने फिल्म 'धुरंधर 2' से टकराव, स्क्रीन की कमी के अलावा करियर से जुड़ी कई बातें की हैं।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं था

फिल्म 'डकैत' की रिलीज टलने के सवाल पर अदिवि शेष साफ कहते हैं, 'जहां तक 'धुरंधर 2' की बात है, मेरे हिसाब से आर्टिस्ट और आर्ट के बीच कोई रेस नहीं होती है। आर्ट की दुनिया में कॉम्पिटिशन नहीं होता है। 19 मार्च की तारीख 'डकैत' के लिए बहुत जरूरी थी, खासकर हिंदी वर्जन के लिए। हमारे लिए जरूरी था कि फिल्म को अच्छा शो और स्क्रीन मिले। इसलिए यह डर का नहीं बल्कि स्क्रीन का फैसला था।' वह आगे कहते हैं, 'जब इंडिया की इतनी बड़ी फिल्म रिलीज होती है तो स्क्रीन मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हमने रिलीज को आगे बढ़ाया जिससे तेलुगु और हिंदी दोनों वर्जन को सही स्पेस और बेहतर शो मिल सकें। 'धुरंधर 2' मैंने देखी है और मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कोई शक नहीं कि यह इंडिया की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है।'

अक्षय कुमार से खास है कनेक्शन

अदिवि शेष की फिल्म 'डकैत' अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' के साथ रिलीज हो रही है। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि अक्षय सर के साथ क्या कनेक्शन है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। मेरी फिल्म 'मेजर' भी उनकी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के साथ क्लैश हुई थी। अब 'भूत बंगला' के साथ 'डकैत' के साथ रिलीज हो रही है। मैं खुश हूं कि किसी न किसी तरह से उनके साथ कनेक्शन बना रहता है।'
साउथ सिनेमा से शुरुआत करने वाले अदिवि शेष अब हिंदी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। इस बदलाव पर वह कहते हैं, 'मुझे लगता है पहले जो दूरी थी, वो अब धीरे-धीरे कम हो रही है। जब लोग एक-दूसरे से कम बात करते हैं तो गैप बढ़ जाता है। लेकिन अब आना-जाना बहुत बढ़ गया है। हिंदी इंडस्ट्री के कई एक्टर्स हैदराबाद आते हैं और हम भी मुंबई-दिल्ली जाते रहते हैं। इस वजह से एक क्लोजनेस आ गई है। मुझे लगता है कि खासकर अगली जनरेशन शायद यह फर्क ही नहीं करेगी कि यह हिंदी फिल्म है या साउथ की है। सबको इंडियन फिल्म्स के तौर पर देखा जाएगा।' एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए वह कहते हैं, 'मैं हाल ही में दिल्ली में था, वहां एक टैक्सी ड्राइवर बता रहा था कि उसने मलयालम फिल्म हिंदी डबिंग में देखी। मेरा खुद का ड्राइवर हिंदी शोज देखता है। इससे साफ है कि जो दूरी पहले थी, वो अब कम हो रही है।'

खुद को 'मेजर' के बाद नहीं दोहराया

बॉलीवुड से मिले ऑफर्स पर अदिवि शेष का जवाब काफी साफ है। वह कहते हैं, 'मुझे 'मेजर' के बाद वॉर फिल्मों के काफी सारे ऑफर्स आए। लेकिन मुझे कहीं न कहीं लगा कि 'मेजर' में संदीप का रोल करने के बाद फिर से वही किरदार करना सही नहीं होगा। मैंने उनके पैरेंट्स से भी वादा किया था। साथ ही यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। उसके बाद अगर मैं बार-बार उसी तरह के रोल करता रहता, तो उसका असर कम हो जाता। यही वजह है कि मैंने ऐसे कई ऑफर्स ठुकरा दिए।' अदिवि शेष आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि जो भी काम करूं, उसमें कुछ खास हो। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि प्रोड्यूसर कौन है? डायरेक्टर कौन है? या कितने पैसे मिल रहे हैं? अगर वह चीज मुझे अंदर से टच नहीं करती, तो मैं उसे नहीं करता।'

बॉलीवुड एंट्री को लेकर साफ है नजरिया

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर चल रही बहस पर अदिवि शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो किसी भी इंडस्ट्री में एंट्री आसान नहीं होती। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी जाकर देख लीजिए। संघर्ष हर जगह है। पूरे देश में गिने-चुने हीरो होते हैं, उनमें से भी बहुत कम ऐसे होते हैं जिनकी फिल्में सच में बिकती हैं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि यहां तक पहुंच पाया। यह सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की बात नहीं है। आप किसी भी फील्ड में चले जाइए। हर जगह कॉम्पिटिशन है, हर जगह स्ट्रगल है। यह कहना कि सिर्फ बॉलीवुड में एंट्री मुश्किल है, पूरी तरह सही नहीं है।'

संक्षिप्त समाचार

4000 टन 'स्वदेशी फौलाद' से तैयार हुआ आईएनएस तारागिरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस्पात मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने नीलगिरी-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) के चौथे स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल किए

जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस युद्धपोत को 03 अप्रैल, 2026 को नौसेना में शामिल किया गया। इस युद्धपोत का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है, जिसमें सेल द्वारा आपूर्ति किए गए लगभग 4,000 टन विशेष ग्रेड के स्टील प्लेटों की पूरी जरूरत का उपयोग किया गया है। इस विशेष इस्पात का उत्पादन सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों में किया गया है, जो कंपनी की उन्नत धातुकर्म क्षमताओं और निरंतर गुणवत्ता मानकों को प्रदर्शित करता है। प्रमुख रूप से अपनी भूमिका निभा रहा है और सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' मिशन को लगातार मजबूती प्रदान कर रहा है। कंपनी ने इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफार्मों के लिए स्पेशल स्टील की आपूर्ति की है।

जेल काट चुके दोषी की रिहाई के आदेश

दिल्ली एचसी ने सजा माफी की अर्जी बार-बार खारिज करने को बताया 'मनमाना'

नई दिल्ली, एजेंसी। दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी को समय से पहले रिहा करने का निर्देश देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) द्वारा बार-बार सिर्फ अपराध की जघन्यता के आधार पर सजा

माफी की अर्जी खारिज करना मनमाना होने के साथ ही सुधारात्मक न्याय के तय सिद्धांतों के खिलाफ है। अपीलकर्ता कैदी रजब अली ने 22 साल से ज्यादा की जेल की सजा काटी है। कैदी को राहत देते हुए न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने रजब अली की अर्जी मंजूर कर ली। रजब अली ने उसकी समय से पहले रिहाई की अर्जी खारिज करने के एसआरबी के फैसले को चुनौती दी थी। रजब अली को 2005 में दुष्कर्म के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 2016 में एसआरबी ने मुख्य प्रोबेशन अधिकारी की सिफारिश के बावजूद अपराध की प्रकृति, गंभीरता और पीड़ित के परिवार को होने वाले संभावित खतरे के आधार पर रजब अली की अर्जी खारिज कर दी थी। 2016 से 2024 तक एसआरबी ने दसवीं बार उसकी अर्जी अपराध की जघन्यता और गंभीरता और विकृति को देखते हुए खारिज कर दी थी। रजब अली ने बताया कि उसे तीन बार पैरोल पर और कोरोना महामारी के एक बार आपात पैरोल पर रिहा किया गया था और उसके बाद 2021 में फिर से पैरोल मिली थी। उसे 22 बार फर्लो (अस्थायी छुट्टी) भी दी गई थी। पीठ ने कहा कि सजा माफी की अर्जी बार-बार एक ही आधार पर खारिज की गई। अदालत ने कहा कि सजा माफी के लिए रजब अली के मामले पर विचार करते समय अपराध की गंभीरता या जघन्यता की तुलना उसके सुधार और समाज में फिर से घुलने-मिलने की उसकी तत्परता से की जानी चाहिए। अदालत ने पाया कि रजब अली का जेल के अंदर का बर्ताव और उसका कुल मिलाकर आचरण संतोषजनक पाया गया था।

बिहार मॉडल पर काम; बंगाल में 15 दिनों तक रहेंगे अमित शाह?

देर रात तक बैठकें

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज होने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के रणनीतिकार अमित शाह ने पिछले सप्ताह भवानीपुर में एक बड़ी चुनावी रैली के दौरान घोषणा की कि वे आगामी विधानसभा चुनावों के दौरान लगातार 15 दिनों तक बंगाल में ही प्रवास करेंगे। वहीं, शुभेंदु अधिकारी की नामांकन रैली के दौरान शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा इस बार 294 सीटों वाली विधानसभा में 175 से अधिक सीटें जीतकर एक ऐतिहासिक बदलाव लाएगी।

अमित शाह का यह ऐलान भवानीपुर की धरती से आया, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपना निर्वाचन क्षेत्र है। भाजपा ने यहां ममता बनर्जी के कट्टर प्रतिद्वंद्वी शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। शाह ने इस मुकाबले को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, 'अगर भवानीपुर की जनता भाजपा को यहां जीत दिलाती है, तो बंगाल में सत्ता परिवर्तन अपने आप हो जाएगा। यह ममता दीदी की विदाई का सबसे छोटा रास्ता (शॉर्टकट) होगा। गौरतलब है कि शुभेंदु अधिकारी ने पिछले चुनाव में नंदीग्राम से ममता बनर्जी को पराजित किया था। इस बार भाजपा ने उन्हें नंदीग्राम और भवानीपुर, दोनों ही हाई-प्रोफाइल सीटों से

मैदान में उतारकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

सूत्रों के अनुसार, अमित शाह का यह 15 दिवसीय प्रवास केवल रैलियों तक सीमित नहीं रहेगा। वे माइक्रो-मैनेजमेंट के तहत राज्य के अलग-अलग हिस्सों में रातें बिताएंगे और वॉर रूम से चुनावी कमान संभालेंगे। अमित शाह सिलीगुड़ी और बालुरघाट जैसे क्षेत्रों में रुकेंगे, जहां 2019 के बाद से भाजपा का प्रदर्शन मजबूत रहा है। वे हुगली, खड़गपुर और दुर्गापुर जैसे इलाकों में भी डेरा डालेंगे। यहां मुख्य ध्यान उन 40 सीटों पर होगा जहां 2021 के चुनाव में भाजपा 5% से भी कम अंतर से हार गई थी। शाह की रणनीति का मुख्य हिस्सा रात 2 बजे तक चलने वाली संगठनात्मक बैठकें होंगी। उपजे असंतोष को दूर करेंगे। अमित शाह की यह कार्यशैली नई नहीं है। इससे पहले उन्होंने मध्य प्रदेश (2023), महाराष्ट्र (2024) और बिहार (2025) के विधानसभा चुनावों में भी इसी तरह का गहन प्रवास किया था। बिहार में भाजपा के ऐतिहासिक प्रदर्शन और पहली बार अपना मुख्यमंत्री बनाने की सफलता के पीछे शाह की क्लस्टर रणनीति को ही श्रेय दिया जाता है।

पहली बार मोबाइल लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट हो या हाईकोर्ट, आमतौर पर अदालतों में मोबाइल फोन ले जाना अच्छा नहीं माना जाता है। इसको लेकर नियम भी बने हुए हैं। हालांकि, बीते सोमवार को देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत अपना मोबाइल लेकर सुप्रीम कोर्ट स्थित अपने कोर्ट रूम पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार ऐसा किया है। इसके पीछे कारण का खुलासा करते हुए सीजेआई ने कहा कि उन्होंने एसआईआर को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का संदेश देखना था, इसलिए मोबाइल फोन लेकर कोर्ट रूम आना पड़ा।

कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल के मैसेज को पढ़ते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने मुस्कुराते हुए कहा, 'दरअसल, मुझे अभी याद आया कि यह पहली बार है जब मैं अदालत में मोबाइल फोन लाया हूं। मैंने अपने जीवन में पहले कभी ऐसा नहीं किया।' इतना सुनते ही वहां मौजूद वकील भी मुस्कुरा दिए।

बंगाल एसआईआर पर क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से बाहर किये गए करीब 60 लाख लोगों के दावों और आपत्तियों का आज ही निस्तारण किया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि

राज्य में केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। शीर्ष अदालत ने एक महिला न्यायिक अधिकारी का अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करने वाला वीडियो देखने के बाद कहा कि ''हाल के दिनों में जिस तरह की घटनाएं हुई हैं, उन्हें देखते हुए पश्चिम बंगाल से केंद्रीय बलों को वापस नहीं बुलाया जाएगा।''

कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों को मिली कथित धमकियों और उनके कामकाज में बाधा डाले जाने पर चिंता व्यक्त की तथा कहा कि यदि सरकारी तंत्र सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहता है, तो वह उपयुक्त उपायों पर विचार करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा, ''यदि सरकारी तंत्र विफल होता है, तो हम सोचेंगे कि क्या किया जा सकता है।''

प्रधान न्यायाधीश ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से इन अधिकरणों के लिए समान प्रक्रियाएं तैयार करने के वास्ते पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने को कहा। पीठ ने कहा कि इस बीच, कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिन्होंने एक अपीलीय अधिकरण की अध्यक्षता करने के लिए सहमति दी है।

नहीं रहीं मोहसिना किदवई: लंबे और बेदाग राजनीतिक योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके परिवार और दामाद रजी उर रहमान किदवई ने उनके निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहसिना किदवई ने बुधवार तड़के नोएडा के मेट्रो अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारतीय राजनीतिक गलियारे, विशेषकर कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई है। एक प्रभावशाली राजनीतिक सफर मोहसिना किदवई भारतीय राजनीति और कांग्रेस पार्टी का एक बेहद सम्मानित और प्रमुख चेहरा रही हैं। उनका एक लंबा और शानदार राजनीतिक करियर रहा है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की रहने वाली मोहसिना किदवई ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। वे उत्तर प्रदेश के मेरठ निर्वाचन क्षेत्र से छठी लोकसभा के लिए चुनी गई और सातवीं तथा आठवीं लोकसभा में भी इस सीट पर बनी रहीं। यानी ने तीन बार मेरठ से सांसद रहीं। इसके अलावा, उन्होंने 2004 से 2016 के बीच छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य के रूप में भी कार्य किया। अपने राजनीतिक जीवन में वे अलग-अलग समय पर संसद के निचले सदन (लोकसभा) और उच्च सदन (राज्यसभा) दोनों की सदस्य रहीं और जनता की आवाज को मजबूती से उठाया। सरकार के साथ-साथ पार्टी के भीतर भी उनका कद काफी बड़ा था। उन्होंने कांग्रेस की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था 'कांग्रेस कार्य समिति' और प्रत्याशियों का चयन करने वाली पार्टी की 'केंद्रीय चुनाव समिति' के सदस्य के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दी थीं। मोहसिना किदवई को कांग्रेस आलाकमान और विशेषकर गांधी परिवार के बेहद करीब और भरोसेमंद नेताओं में गिना जाता था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेषज्ञों की चेतावनी: कैंसर से निपटने के लिए भारत को चाहिए अपनी 'एविडेंस-बेस्ड' गाइडलाइंस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि भारत को कैंसर के इलाज और जांच के लिए अपनी साक्ष्य-आधारित (एविडेंस बेस्ड) गाइडलाइंस विकसित करनी होंगी, ताकि देश की जरूरतों और जनसंख्या के अनुसार बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। यह बात विश्व स्वास्थ्य दिवस पर दिल्ली पुलिस मुख्यालय में आयोजित कैंसर जांच शिविर में दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआइ) के विशेषज्ञों ने कही। कहा गया कि केवल इलाज ही नहीं, बल्कि कैंसर की समय पर पहचान के लिए भी भारत को अपने स्क्रीनिंग प्रोटोकाल तैयार करने की आवश्यकता है। इससे बीमारी को आरंभिक चरण में ही पहचान कर मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। इसी पहल के तहत विश्व स्वास्थ्य दिवस पर दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआइ) ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में कैंसर जागरूकता, रोकथाम एवं स्क्रीनिंग (कैप्स) का पांचवां शिविर आयोजित किया। स्तन और सर्वाइकल कैंसर की निश्शुल्क जांच की गई। साथ ही 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मैमोग्राफी जांच भी उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा एचपीवी-डीएनए स्व-परीक्षण किट, विशेषज्ञ परामर्श, जागरूकता सत्र और स्तन स्व-परीक्षण का प्रशिक्षण भी दिया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम साथ मिलकर स्वास्थ्य के लिए विज्ञान के साथ खड़े हों हमें यह समझने का अवसर देती है कि भारत को अपने साक्ष्य-आधारित कैंसर उपचार और स्क्रीनिंग दिशानिर्देश विकसित करने होंगे।

पाक की मध्यस्थता पर सवाल क्यों? 'ईरानी शासन पर भी भरोसा नहीं'; दो हफ्ते के सीजफायर पर विशेषज्ञ क्या बोले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम और स्थायी शांति की उम्मीदों के बीच, पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने का श्रेय लेने की कोशिश की है। हालांकि, फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के कार्यकारी निदेशक और पूर्व अमेरिकी ट्रेजरी आतंकवाद-निरोध विश्लेषक, जोनाथन शनजर ने पाकिस्तान की इस भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। शनजर का मानना है कि पाकिस्तान पर चीन का भारी कर्ज है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने गठबंधन को व्यापक बना रहा है, या वह चीन के हितों को साध रहा है।

जोनाथन शनजर ने कहा 'जब हम पाकिस्तान को देखते हैं, तो हमें यह समझना होगा कि यह एक ऐसा देश है जो चीन का बहुत ऋणी है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और ऋण जाल कूटनीति के माध्यम से, चीन ने पाकिस्तानियों को अपनी पकड़ में ले लिया है। सवाल यह है: क्या पाकिस्तानी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ काम करके नए दोस्त बनाने और अपने गठबंधन को व्यापक बनाने की कोशिश कर रहे हैं, या वे चीन के इशारों पर काम कर रहे हैं? क्या वे अनिवार्य रूप से

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए एक मुखपत्र हैं? इस समय, हमें इसका उत्तर नहीं पता है।' जब शनजर से पूछा गया कि क्या अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को हाल ही में अमेरिका-ईरान मध्यस्थता प्रक्रिया में देर से शामिल किया गया था और क्या शायद चीन ने ईरान को बातचीत की मेज पर लाने में मदद की, तो उन्होंने कहा कि जेडी वेंस विदेशी हस्तक्षेप को लेकर नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। शनजर के अनुसार 'हम उन्हें नव-अलगाववादियों के रूप में वर्गीकृत करते हैं - ऐसे लोग जो दुनिया भर की ताकतों को आकार देने के लिए अमेरिकी बल के उपयोग के बारे में गहराई से संशय में हैं। लेकिन मुझे लगता है कि चीन का सवाल वास्तव में सबसे दिलचस्प है।'

ईरानी शासन पर भरोसा नहीं: जोनाथन शनजर ने यह भी चेतावनी दी कि भले ही युद्धविराम बना रहे और होर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहे, युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा हर किसी को यह समझने की जरूरत है कि यह युद्ध खत्म नहीं हुआ है। भले ही वे कुछ समय के लिए जलडमरूमध्य को खुला रखने और एक-दूसरे पर बमबारी बंद करने पर सहमत हों, फिर भी शासन को भीतर से गिराने का एक गुप्त प्रयास जारी रहेगा। ईरान के लोगों ने अभी तक अपनी बात नहीं रखी है।

● यूजर्स कर रहे मजेदार कमेंट

ईरान में जंग थमने के बाद पीएम शहबाज हो रहे ट्रोल, पाक पर यूएस का कितना दबाव

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की एक सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा का विषय बन गई है। इस पोस्ट ने न सिर्फ उनकी कूटनीतिक भूमिका पर सवाल खड़े किए, बल्कि सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचना और व्यंग्य का सामना भी करना पड़ा। ट्रंप से ईरान के खिलाफ संभावित कार्रवाई की समयसीमा बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने लिखा था कि कूटनीति को आगे बढ़ने का मौका देने के लिए समय सीमा को दो सप्ताह तक बढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का भी आग्रह किया था, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम है।

एडिट हिस्ट्री ने खोली पोल

हालांकि, यह मामला तब और गंभीर हो गया जब यूजर्स ने पोस्ट की एडिट हिस्ट्री पर ध्यान दिया। सामने आए स्क्रीनशॉट्स में

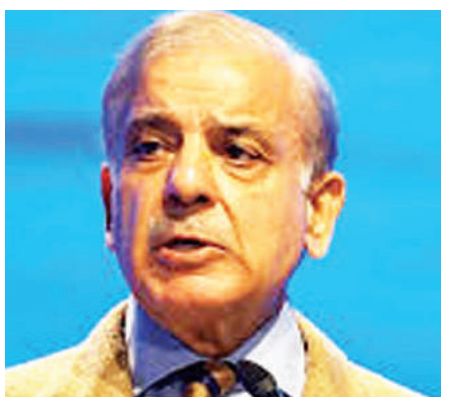

दिखा कि पोस्ट के शुरुआती वर्जन में जैसा टेक्स्ट मौजूद था। इससे यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि यह संदेश पहले से तैयार ड्राफ्ट था और संभवतः सीधे पोस्ट करने से पहले उसे पूरी तरह संपादित नहीं किया गया। पोस्ट में अमेरिका के कई प्रमुख नेताओं को टैग भी किया गया था, जिनमें डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, मध्य पूर्व के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल थे। इस वजह से विवाद और गहरा गया और लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि क्या यह संदेश पाकिस्तान की अपनी कूटनीतिक पहल का हिस्सा था या कहीं बाहर से तैयार किया गया था। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने यह भी दावा किया कि किसी देश के प्रधानमंत्री की टीम ड्राफ्ट में अपने देश का नाम इस तरह नहीं लिखती, जिससे शक और बढ़ गया।

मोजतबा ने फायरिंग रोकने का आदेश दिया; इस्राइल बोला- सीजफायर में हिजबुल्ला नहीं शामिल

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि संघर्षविराम का मतलब युद्ध का अंत नहीं है और अगर शत्रु किसी भी तरह की कार्रवाई करता है तो उसके हाथ हमेशा हथियार पर रहेंगे। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ दो सप्ताह के संघर्षविराम पर सहमति के बाद अपनी सभी सैन्य इकाइयों को गोलीबारी रोकने का निर्देश दिया। लेकिन साथ ही तेहरान ने यह भी स्पष्ट किया कि यह युद्ध का अंत नहीं है। राज्य संचालित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग पर पढ़े गए एक बयान में खामेनेई ने कहा यह युद्ध का अंत नहीं है, लेकिन सभी सैन्य शाखाओं को सर्वोच्च नेता के आदेश का पालन करते हुए अपनी फायरिंग रोकनी चाहिए।

'बड़े पैसों की कमाई होगी': संघर्षविराम के बाद बोले ट्रंप: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर संदेश साझा करते हुए कहा कि ईरान के साथ संघर्षविराम समझौते को एक विश्व शांति के लिए बड़ा दिन करार दिया और कहा कि अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में यातायात व्यवस्था में मदद करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा यह क्षण पश्चिम एशिया के लिए एक नए गोल्डन एज की शुरुआत का संकेत हो सकता है। उन्होंने आगे लिखा 'यहां कई सकारात्मक गतिविधियां होंगी। बड़े पैसों की कमाई होगी। ईरान पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू कर सकता है। हम हर प्रकार की सामग्री की आपूर्ति करेंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए मौके पर रहेंगे कि सब कुछ सुचारू रूप से चले। मुझे भरोसा है कि ऐसा होगा।'

इस्राइल: अमेरिका-ईरान सीजफायर पर समर्थन, लेकिन इसमें हिजबुल्ला नहीं शामिल: इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि उनका देश अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो-हफ्ते के युद्धविराम समझौते का समर्थन करता है,

लेकिन यह समझौता लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ जारी लड़ाई को कवर नहीं करता है। इस बात की जानकारी विश्व मीडिया एजेंसियों के रिपोर्ट में मिली है।

नेतन्याहू कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस्राइल अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ युद्धविराम को आगे बढ़ाने का पक्ष लेता है, लेकिन लेबनान में हिजबुल्ला को निशाना बनाने वाली सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी और वह इस समझौते का हिस्सा नहीं है। इस कदम से स्पष्ट संदेश गया है कि सीजफायर का दायरा सिर्फ अमेरिका-ईरान संघर्ष तक सीमित है और अन्य मोर्चों पर हमला जारी रहेगा।

अमेरिका पर साइबर हमले का भी दावा

ईरान से जुड़े साइबर समूहों की ओर से अमेरिका पर बड़े साइबर हमले का दावा भी सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावरों ने इंडस्ट्रियल सिस्टम्स में इस्तेमाल होने वाले प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि पीएलसी सिस्टम्स किसी भी बड़े औद्योगिक सेटअप के दिमाग की तरह काम करते हैं। ये ऑटोमैटिक प्रोग्राम के जरिए मशीनों और प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं। ऐसे में इन सिस्टम्स के प्रभावित होने से कई महत्वपूर्ण संचालन बाधित हो सकते हैं। युद्धविराम की घोषणा के बाद भी ईरान की राजधानी में माहौल शांत नहीं दिखा। बुधवार सुबह तेहरान की सड़कों पर सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों का गुस्सा खुलकर सामने आया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने अमेरिका मुर्दाबाद, इस्राइल मुर्दाबाद और समझौता करने वालों के खिलाफ जैसे तीखे नारे लगाए। हालात उस समय और ज्यादा उग्र हो गए जब प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर अमेरिकी और इस्राइली झंडे जलाए। मौके पर मौजूद आयोजकों ने भीड़ को शांत करने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी लगातार नारेबाजी करते रहे और गुस्सा कम होता नहीं दिखा। तेहरान में युद्धविराम की खुशी : लोगों ने सड़कों पर झंडे लहराए और जश्न मनाया ईरान की राजधानी तेहरान में लोग युद्धविराम की घोषणा के बाद खुशियों में झूम उठे। वीडियो में दिखा कि लोगों ने ईरानी झंडे लहराए, जयकारे लगाए और जश्न मनाया। यह पल खास इसलिए भी महत्वपूर्ण था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com